दैनिक
प्रातः कालीन
मुरादाबाद से प्रकाशित
क्यूँ न लिखूँ सच
बर्ष:- 05
अंकः- 204
मुरादाबाद
(Sunday)
16 November 2025
पृष्ठः- 08
मूल्यः- 3.00 रूपया
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र
प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

PM मोदी ने कांग्रेस पर लगाया आदिवासियों की अनदेखी का आरोप, कहा- उनके योगदान को भुला दिया गया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को गुजरात पहुंचे। पीएम मोदी प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महाअभियान और धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत बने एक लाख घरों के गृह प्रवेश कार्यक्रम में भी शामिल। इसके बाद धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनसभा को संबोधित किया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि, मैं तो बनारस का सांसद हूं,वो संत कबीर की धरती है। उनका मेरे जीवन में अलग स्थान है। यहां एक लाख परिवारों को पक्के घर दिए गए। एकलव्य मॉडल स्कूलों का शिलान्यास किया गया। ऐसा कई सारी कल्याण योजनाओं के लिए जनजातीय परिवारों को बहुत बधाई। पीएम मोदी ने कहा कि आदिवासियों ने हमारे देश के स्वतंत्रता संग्राम में बहुत बड़ा योगदान दिया, लेकिन कांग्रेस ने 60 साल के शासन में आदिवासियों को उनके हाल पर छोड़ दिया गया।उन्होंने कहा, पहले बिरसा मुंडा को याद नहीं किया जाता था। हमने तय कि हमारी अगली पीढ़ी को पता चले कि बिरसा मुंडा ने हमारे लिए क्या किया है। इसलिए हमने देश में कई जनजातिय म्यूजियम बनाए जा रहे हैं। मैं छत्तीसगढ़ गया था वहां मैंने शहीद वीर नारायण सिंह म्यूजियम का शिलान्यास किया। नरेंद्र मोदी ने कहा कि काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, उज्जैन महाकाल, अयोध्या का राम मंदिर और केदारनाथ धाम की चर्चा अक्सर होती रहती है। पिछले 10 वर्षों में ऐसे कई धार्मिक और ऐतिहासिक धामों का विकास हुआ है। लेकिन बहुत कम लोग जानते होंगे कि 2003 में जब मैं मुख्यमंत्री के तौर पर डेडियापाड़ा आया था, तो मां के चरणों में प्रार्थना करने गया था। उस समय मैंने देखा कि उसकी हालत एक छोटी सी झोपड़ी जैसी थी। मेरे जीवन में जितने भी पुनर्निर्माण कार्य हुए हैं, मैं गर्व से कह सकता हूँ कि उन सबकी शुरुआत देवमोगरा माता के मंदिर के विकास से हुई। धानमंत्री ने कहा कि आदिवासी कल्याण भाजपा की प्राथमिकता है। हमने ये परेशानी खत्म करने का फैसला लिया है। 1947 में देश आजाद हुआ, लेकिन उनकी स्थिति में सुधार नहीं किया गया। आदिवासी समाज का नाम भगवान राम से भी जुड़ा है। लेकिन कांग्रेस ने इनके विकास के लिए कुछ नहीं किया। पहली बार जब अटल जी प्रधानमंत्री बने, तब आदिवासियों के लिए अलग मंत्रालय बनाया गया। कांग्रेस ने अपने कार्यकाल में इस मंत्रालय को भी भुला दिया था।

नीतीश से गर्मजोशी से मिले चिराग, नई सरकार की रूपरेखा क्या रहेगी, इस पर मंथन शुरू

0वीं बार मुख्यमंत्री की शपथ लेने जा रहे नीतीश कुमार से मुलाकात करने वालों का तांता लगा है। कल रात ही भाजपा-जदयू के दिग्गज आने लगे थे। आज चिराग पासवान भी बधाई के साथ आगे की योजना पर बात करने पहुंचे।बिहार चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को प्रचंड बहुमत के बाद नीतीश कुमार का दसवीं बार मुख्यमंत्री बनना परिणाम आने के साथ ही स्पष्ट हो गया था। शुक्रवार दोपहर जैसे ही रुझान आना शुरू हुआ, एनडीए में खुशी की लहर दौड़ गई। शाम होते-होते सीएम आवास में चहलकदमी बढ़ गई। जदयू के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय झा, केंद्रीय मंत्री रामनाथ ठाकुर के अलावा भारतीय जनता पार्टी के भी कई नेताओं ने सीएम आवास पहुंचकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को बधाई दी। दिल्ली से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बधाई दी। इसके बाद भाजपा सहित एनडीए के बाकी दलों ने भी एक-एक कर सीएम नीतीश को बधाई दी और नई पारी की शुभकामनाएं भी। आज, यानी शनिवार सुबह से ही गहमागहमी है। चिराग पासवान सीएम नीतीश कुमार को बधाई देने पहुंचे। मुलाकात के बाद केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने लिखा कि बिहार विधानसभा चुनाव परिणाम के पश्चात आज बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात कर उन्हें एनडीए के प्रचंड बहुमत की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि एनडीए ने नीतीश कुमार के नेतृत्व में ऐतिहासिक जीत दर्ज की है। इसलिए, लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के एक प्रतिनिधिमंडल ने उनसे मुलाकात की और उन्हें बधाई दी। पटना में केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने बताया कि लोजपा (रा.) के प्रतिनिधियों ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात कर सरकार गठन पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि 2020 में लोजपा (रा.) की चुनावी हार के लिए कई लोग जिम्मेदार थे और पार्टी को पुनर्जीवित करने के लिए उन्होंने संघर्ष किया। चिराग पासवान ने यह भी कहा कि बिहार चुनाव अभियान के दौरान यह झूठा नैरेटिव तैयार किया गया था कि जदयू और लोजपा (रा.)) के बीच मतभेद हैं। कुछ लोग जदयू और लोजपा (रा.) के बारे में भ्रम फैला रहे थे, वे सिर्फ एक गलत कहानी सेट कर रहे थे।न्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एनडीए में शामिल हर गठबंधन सहयोगी की भूमिका की सराहना की है, और उन्होंने जदयू और लोजपा (रा.) के बीच 卐गलत कहानी卐 बनाने वाले विपक्ष पर निशाना साधा। मैं बहुत खुश हूं कि मुख्यमंत्री ने एनडीए में शामिल हर गठबंधन सहयोगी की भूमिका की सराहना की। जब वह वोट देने गए तो उन्होंने लोजपा (रा.) उम्मीदवार का समर्थन किया। आलाउली, जहां मैं वोट देता हूं, मैंने जदयू उम्मीदवार का समर्थन किया।

संक्षिप्त समाचार

बिहार में पार्टी के प्रदर्शन पर कांग्रेस का मंथन, राहुल गांधी-खरगे समेत नेता रहे मौजूद

बिहार विधानसभा चुनाव में कांग्रेस और महागठबंधन का प्रदर्शन काफी निराशाजनक रहा। वहीं 14 नवंबर को नतीजे आने के बाद शनिवार को कांग्रेस ने इसे लेकर बैठक की है। दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पर हुई इस बैठक में राहुल गांधी समेत के वरिष्ठ नेता शामिल रहे।बिहार में करारी हार के एक दिन बाद, कांग्रेस ने शनिवार को चुनाव प्रक्रिया में चुनाव आयोग की भूमिका पर सवाल उठाए, जबकि राहुल गांधी और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे समेत पार्टी के शीर्ष नेताओं ने चुनाव परिणामों पर चर्चा के लिए बैठक की। इस दौरान कांग्रेस महासचिव ।कन और बिहार प्रभारी कृष्णा अल्लावरु भी मौजूद थे। बिहार में कांग्रेस ने 61 सीटों पर चुनाव लड़ा था और उसे केवल छह सीट पर ही जीत मिली है।बिहार विधानसभा चुनाव शुरू से ही अनुचित% रहा- राहुल इससे पहले शुक्रवार को, राहुल गांधी ने दावा किया था कि बिहार विधानसभा चुनाव शुरू से ही अनुचित रहा, क्योंकि पार्टी 61 सीटों पर चुनाव लड़ने के बावजूद दोहरे अंक में सीटें हासिल करने में विफल रही। 2020 के बिहार चुनावों में, कांग्रेस पार्टी ने 70 सीटों पर चुनाव लड़कर 19 सीटें जीती थीं। राहुल गांधी ने कहा कि पार्टी चुनाव के बाद अपने प्रदर्शन की समीक्षा करेगी और आश्वासन दिया कि कांग्रेस संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के लिए लड़ती रहेगी।

नौगाम ब्लास्ट में 9 की मौत, थाने में रखा था विस्फोटक; फरीदाबाद से मौलवी हिरासत में

देश की राजधानी दिल्ली में हुए कार ब्लास्ट के बाद शुक्रवार देर रात कश्मीर के नौगाम पुलिस थाने में विस्फोट हुआ है। धमाका इतना जोरदार था कि पुलिस स्टेशन की इमारत क्षतिग्रस्त हो गई। इस ब्लास्ट में नौ लोगों की मौत हो गई है और 32 लोग घायल हुए हैं। अरविंद केजरीवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, %देर रात श्रीनगर के एक पुलिस स्टेशन में हुए बम धमाके की ख़बर बेहद दुखद और चिंता बढ़ाने वाली है। कई बहादुर पुलिसकर्मी शहीद हो गए और कई घायल हैं। परमात्मा शहीदों के परिवारों को इस असहनीय दुख को सहने की शक्ति दें और घायलों को जल्द स्वस्थ करें। पीड़ित परिवारों के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं। लेकिन सरकार से ये सवाल जरूरी हैज्आखिर देश में ये हो क्या रहा है? दिल्ली धमाके की गूंज अभी थमी भी नहीं थी और देश फिर एक धमाके से दहल गया। सरकार, सुरक्षा एजेंसियां, खुफिया तंत्र और गृह मंत्री आखिर क्या कर रहे हैं? देश की सुरक्षा के साथ इतना बड़ा खिलवाड़ कैसे और क्यों होने दिया जा रहा है? देश जवाब चाहता है।%दिल्ली ब्लास्ट केस में नया खुलासा हुआ है। ब्लास्ट से पहले नूंह जिले के फिरोजपुर झिरका शहर में स्थिति एक एटीएम मशीन से आतंकी डॉक्टर उमर नबी ने पैसे निकालने का प्रयास किया था। हालांकि, एटीएम बंद था, लेकिन एटीएम मशीन पर तैनात गार्ड को उमर ने पैसों को लालच देकर एटीएम खुलाया लिया। लेकिन पैसे नहीं निकले। जिसके बाद वह दिल्ली मुंबई एक्सप्रेसवे से होते हुए निकल गया।जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा नौगाम थाने में हुए धमाके में घायल हुए लोगों से मिलने उजाला सिग्नस अस्पताल पहुंचे हैं।लाल किला मेट्रो स्टेशन पर गेट संख्या 2 और 3 अब यात्रियों के लिए खुल गए हैं। डीएमआरसी की तरफ से यह जानकारी दी है। इससे पहले दिल्ली ब्लास्ट के बाद लाल किला मेट्रो स्टेशन को अस्थायी तौर से बंद कर दिया गया था। धमाके के बाद सुरक्षा के लिहाज से डीएमआरसी ने कड़े कदम उठाए थे।नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रमुख फारूक अब्दुल्ला ने नौगाम पुलिस स्टेशन के पास कल रात हुए विस्फोट पर कहा, %ये हमारी गलती है, जो लोग इस विस्फोटक को बेहतर समझते हैं, हमें पहले उनसे बात करनी चाहिए थी कि इससे कैसे निपटना है बजाय खुद देखने के, आपने इसका नतीजा देखा, 9 लोगों की जान चली गई। वहां घरों को कितना नुकसान हुआ। हम अभी दिल्ली के संकट से बाहर नहीं निकले हैं जहां हर कश्मीरी पर उंगलियां उठाई जा रही हैं। वो दिन कब आएगा जब वो मानेंगे कि हम हिंदुस्तानी हैं और हम इसके लिए जिम्मेदार नहीं हैं, जो जिम्मेदार हैं उनसे पूछें कि क्यों इन डॉक्टरों को ये रास्ता अपनना पड़ा? क्या वजह थी? इसकी गहन जांच और अध्ययन की जरूरत है।%घटनास्थल के आसपास की सड़क, जो 10 नवंबर को हुए विस्फोट के बाद बंद कर दी गई थी, अब यातायात के लिए खोल दी गई है। दिल्ली सरकार के मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा, %जांच के लिए इस सड़क को अस्थायी रूप से बंद किया गया था लेकिन अब इसे खोल दिया गया है, गुरु तेग बहादुर की 350वीं जयंती पर एक बड़ा कार्यक्रम होना है। अब सब सामान्य है, इसे लोगों के लिए खोल दिया गया है। दिल्ली सुरक्षित है और सुरक्षित हाथों में है।%

सनातन एकता पदयात्रा का जैंत में प्रवेश, कथावाचक जया किशोरी भी पहुंचीं; धीरेंद्र शास्त्री ने किया सम्मान

सनातन हिंदू एकता पदयात्रा में शनिवार को मशहूर कथावाचक जया किशोरी भी पहुंचीं। इस दौरान मंच पर पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने कथावाचक का सम्मान किया। इसके बाद पदयात्रा अपने अगले पड़ाव के लिए रवाना हो गई। धीरेंद्र शास्त्री की पदयात्रा में शनिवार सुबह मशहूर कथावाचक और सादगी और मधुर वाणी के लिए जाने जानी वाली जया किशोरी पहुंचीं। जया किशोरी का धीरेंद्र शास्त्री ने सम्मान किया। इसके बाद राष्ट्रगान हुआ और बाबा की पदयात्रा अगले पढ़ाव के लिए रवाना हो गई। इस दौरान पुंडरीक गोस्वामी और परमार्थ निकेतन आश्रम के प्रमुख चिदानंद सरस्वती भी यात्रा में शामिल हुए। दोपहर तक यात्रा थाना जैंत क्षेत्र में प्रवेश कर चुकी थीयात्रा ने कोसीकलां मंडी से सुबह छाता की ओर अजीजपुर, दौताना होते हुए प्रस्थान किया। दोपहर के भोजन की व्यवस्था बेकमेट कंपनी के सामने मैदान में की गई है। भोजन के बाद महाराज के भजन, प्रवचन कार्यक्रम होंगे। इसके बाद 8 किलोमीटर आगे रात्रि विश्राम गुप्ता रेजिडेंसी पर होगा। इससे पूर्व अन्नपूर्णा रसोई में पदयात्रियों के लिए भोजन व धीरेंद्र शास्त्री प्रवचन करेंगे। राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित गुप्ता रेजिडेंसी पर होने वाले पदयात्रा की रात्रि विश्राम से पूर्व धीरेंद्र शास्त्री के भजन एवं प्रवचन होंगे।

इसके लिए वाराणसी के कलाकारों ने बाबा बागेश्वर धाम की रेत पर कलाकृति बनाई है। वाराणसी निवासी रूपेश सिंह ने बताया कि वह पंडित धीरेंद्र शास्त्री की सेंड से कलाकृति बना रहे हैं। हमें उम्मीद है कि महाराज हमारी सेंड आर्ट से प्रसन्न होंगे और हमसे मिलेंगे। सेंड आर्ट बनाने वालों में मोहन सिंह, अलंकुता, आशु कुमारी रोहन सिंह आदि शामिल हैं।

संपादकीय Editorial

Terrorism has deep roots, shocking facts are emerging.

Following the car bombing near the Red Fort in Delhi, a Faridabad terrorist module was exposed. The plot was to carry out a 26/11-like attack, for which weapons and explosives were stockpiled. The role of Al Falah University is suspected, as it employed several Kashmiri doctors. Terrorist plot near the Red Fort exposed: Faridabad module wanted a 26/11-like attack. The role of Al Falah University is suspected. Following the car bombing near the Red Fort in Delhi, shocking facts are emerging regarding this terrorist incident, proving that the Faridabad terrorist module had hatched a massive conspiracy. While the accidental explosion in the car of a doctor involved in this module exposed the terrorist plot, it should not be overlooked that they were planning to carry out a terrorist attack similar to 26/11. They had collected cars for multiple simultaneous blasts and stockpiled deadly weapons and explosives. As the number of individuals implicated in this terrorist plot grows, suspicions deepen about the role of Faridabad's Al Falah University, making it clear that terrorism has spread far deeper than Kashmir, even to other parts of the country. Al Falah University is under scrutiny not only for hiring an unexpectedly large number of Kashmiri doctors, but also for employing doctors who had been dismissed from other institutions. One of these Kashmiri doctors was dismissed for openly supporting terrorism and separatism. This suggests that Al Falah management either failed to conduct background checks before hiring or chose to ignore them. This necessitates a thorough investigation of this educational institution. The National Investigation Agency and other agencies investigating the Faridabad terrorist module must also delve into the reasons why the number of people driven by religious fanaticism to terrorism is increasing. Now, anyone can be found following the path of terrorism, whether illiterate or highly educated, poor or wealthy. The fact is that the poisonous statements of religious extremists do not alone make someone a terrorist. Furthermore, their own environment, and especially the toxic narrative that they are being marginalized or that their people are being treated as second-class citizens, also contributes to this path of terrorism. Furthermore, this propaganda fuels them with frenzy and a desire for revenge, believing that their religious beliefs, or even religion itself, are under threat. This propaganda is not perpetrated solely by radical elements. Leaders of particular parties, driven by cheap vote-bank politics, also create a similar atmosphere. This environment becomes a means for these frenzied elements to play the victim card and, at times, resort to terrorism.

Conspiracy to Carry Out Two Hundred Terrorist Attacks

Following a meeting of the Cabinet Committee on Security (CCS), the central government has termed the Delhi bombings a "heinous terrorist incident." It has been deemed a terrorist act by anti-national forces. Therefore, it has been reiterated that the zero-tolerance policy towards terrorism will remain in place, and terrorists and their masters will not be spared. The evidence, diaries, notebooks, and other material recovered by our investigative and security agencies through continuous raids have exposed the horrific and genocidal plans of the "Doctor Terrorist Gang." In fact, the terrorists intended to attack the Red Fort on January 26, 2025. Dr. Muzammil and Dr. Umar Nabi (incinerated in the Delhi bombings) had repeatedly reconnoitered the Red Fort and gathered information on security arrangements and traffic, but the plot failed. Now, Lord Shri Ram's Ayodhya is the primary target. On November 25th, Prime Minister Modi will perform the ceremony of hoisting the "saffron flag" on the top of the Ram Temple. It is clear that it will be a grand spiritual, social, and cultural event. The terrorists are planning to carry out their nefarious plot during that time. This has been revealed through recovered documents and interrogation of the accused terrorists. The terrorists may detonate the bombs in the Ram Temple complex on December 6th instead of November 25th. The so-called Babri Masjid structure was demolished on this date in 1992. However, not only the Red Fort, but also the capital Delhi's India Gate, the Gauri Shankar Temple, the Constitution Club (a place where MPs travel), major shopping malls, and major railway stations are also targets of the "white-collar terrorist gang." Their plot is to manufacture over 200 explosive IEDs and carry out a massacre similar to the 26/11 terrorist attacks in Delhi, Noida, Gurugram, and Faridabad. The terrorists were working on a plot to detonate approximately 200 IEDs simultaneously. The 2900 kg of ammonium nitrate and RDX recovered in Faridabad was being stored in furtherance of this conspiracy. Since January 2025, the "terrorist doctor" and Jaish-e-Mohammed operatives had been storing explosives in three or four rooms in Faridabad, disguised as fertilizer. Explosive materials and chemicals were brought to Faridabad via Bangladesh and Nepal. Approximately 300 kg of explosives are still being searched for, as investigating agencies have uncovered a total of 3,200 kg. It is also a significant failure of the intelligence system that so much explosive material reached two villages in Faridabad without even being detected. It has also now come to light that Dr. Muzammil and Dr. Umar had been traveling to Turkey since 2021. Turkey stamps were found on both their passports. In January 2025, both undertook educational and professional trips. Jammu and Kashmir Police have revealed that they met a Jaish handler in Turkey. The handler's codename is "Ukasa." Umar was working under the instructions of a handler and only became engulfed in jihadi radicalism after the 2021 trip. Intelligence agencies are now focusing on approximately 2,000 Kashmiris living in Turkey. However, the experience of "doctor terrorism" is new to India. One cannot believe that doctors who save lives can become "terrorists," but this is today's gruesome and ugly reality. Upon returning from Bhutan, Prime Minister Modi visited the injured at Lok Nayak Hospital. He expressed sympathy, comforted them, and spoke with them. Before him, Home Minister Amit Shah also visited the hospital on the day of the blast. This gesture by our ruling leaders provides solace in the suffering of the common man, but the new battle against terrorism is a long and complex one. Meanwhile, the Pakistani army has sent the Jaish-e-Mohammed (JeM) chief to an army "safe house." The Pakistani government is terrified and tense that India may attack again, leading to border deployments. Let's see what the Indian government decides after the explosions and killings in the capital itself. Pakistan must be taught a stern lesson for its continued unabated pursuit of terrorism in India. It has repeatedly ignored India's warnings.

The four labor codes, if implemented quickly, will provide a framework for balanced development.

In an era of automation and digitization, when traditional jobs are declining, these codes will provide a framework for balanced development. The four labor codes form the backbone of the ambition to build a developed India, a self-reliant nation, by combining economic dynamism with social justice. The importance of labor laws and the need for labor reforms. The early implementation of the codes requires India's workforce to be rapidly placed in formal employment that provides fair wages and comprehensive social protection, ensuring secure and dignified livelihoods for all, leveraging the benefits of development. The persistence of outdated labor laws has partially hampered the ability of enterprises to provide quality employment. In light of this, the National Commission on Labor envisioned long-overdue labor reforms. These were passed by Parliament in the form of four labor codes between 2019 and 2020. These codes provide a comprehensive framework to modernize the country's labor landscape and address structural imbalances. The creation of four new labor codes, simplifying and modernizing 29 decades-old central labor laws, aims not only to unify the laws but also to make work more fair, safe, and productive. The Code on Wages, 2019, is a historic step towards ensuring that every worker receives a minimum wage that respects the dignity of labor. Previously, the minimum wage was limited to specified occupations, but now it has been extended to all workers in all sectors, both organized and unorganized. This universalization of the minimum wage gives workers a legal right to a basic wage. For the first time, a national floor wage has been established, which the central government will set taking into account living standards and regional conditions. No state will be able to set a minimum wage lower than this. This will reduce wage disparities between states and provide equal opportunities to workers across the country. The Code also ensures regular wage reviews, ensuring workers' income remains relevant to changing economic conditions. Under this Code, the burden of proof in disputes will be on employers, increasing their accountability. The Social Security Code, 2020, is one of the most inclusive public welfare initiatives in independent India. By merging nine key laws, including the Employees' Provident Fund Act, the Employees' State Insurance Act, and the Maternity Benefit Act, it establishes a unified system covering both traditional and new occupations. For the first time, gig workers and unorganized sector workers are recognized as part of the national workforce. Each worker will be registered and issued a unique social security number, enabling direct disbursement of benefits such as health insurance, pensions, and maternity assistance. The Occupational Safety, Health, and Working Conditions Code, 2020, is a message of care and responsibility towards those who build the nation. By broadening the definition of an establishment, this Code provides protection to millions of people who were previously not covered by safety laws. Every employee will be provided with an appointment letter in a prescribed format, which will include the employee's details, designation, category, salary details, and social security details. The Occupational Safety, Health and Working Conditions Code, 2020 mandates free annual health checkups for workers and requires employers to ensure they maintain safe and hygienic workplaces without imposing any financial burden on them. The Code also makes significant progress towards gender equality. It allows women workers to work in all establishments and in night shifts. The Industrial Relations Code, 2020.

brings clarity to the relationship between employers and employees by merging three older acts into a unified framework. It requires establishments with twenty or more employees to establish grievance redressal committees to ensure speedy resolution of disputes and avoid strikes or litigation. Under this Code, workers facing layoffs are now entitled to 30 days' notice and adequate compensation. This is a humanitarian reform that respects livelihood security. Examples from various developing countries demonstrate that labor reforms have significantly contributed to their economic progress. Given the changing global economic environment, rising tariffs, and shifting trade structures, it is crucial to implement new labor codes in India as soon as possible. Simplifying and making labor laws transparent will boost investment, expand formal employment, and ensure dignified rights for workers. In an era of automation and digitization, when traditional jobs are declining, these codes will provide a framework for balanced growth. The four labor codes form the backbone of the ambition to build a developed India, a self-reliant nation, by combining economic dynamism with social justice.

KYUN NA LIKHUN SACH
हिंदी अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र
दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच
को आवश्यकता है उत्तर प्रदेश ,
उत्तराखंड मध्य प्रदेश ,दिल्ली
,बिहार पंजाब छतीसगढ़ राजस्थान
आदि सभी राज्यों से रिपोर्टर,जिला
ब्यूरो विज्ञापन प्रतिनिधि की
सम्पर्क करे-9027776991

बेटी की डोली उठने से पहले उठीं बहनोई और दामाद की अर्थी, गुस्साए लोगों ने सीएचसी में की तोड़फोड़

लोधीपुर के पास हुए सड़क हादसे में शाहबाद निवासी आशाराम के दामाद सोनू (25) और बहनोई सनी की मौत हो गई। दोनों शादी की तैयारियों के बीच बाइक से रिश्तेदार को लेने जा रहे थे। सीएचसी ले जाने पर डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। हादसे की खबर से शादी वाले घर में मातम छा गया।

लोधीपुर के पास शुक्रवार देर रात साढ़े नौ बजे हुए सड़क हादसे में शाहबाद निवासी आशाराम के दामाद सोनू (25) और बहनोई सनी की मौत हो गई। हादसे की खबर सुनकर परिवार में चल रहीं खुशियां मातम में तब्दील हो गईं। गुस्साए परिजनों ने सीएचसी में हंगामा किया। कुर्सियां तोड़ डालीं।शव का पोस्टमॉर्टम कराने से इनकार कर दिया। मुरादाबाद के थाना बिलारी के अकबरपुर गांव निवासी सोनू और मूढ़ापांडे थाना क्षेत्र के मनकरा गांव निवासी सनी आशाराम की बेटी की शादी में शामिल होने आए थे। सोनू आशाराम के दामाद और सनी बहनोई थे।शनिवार को आने वाली बरात की तैयारियां चल रही थीं। इसी बीच शुक्रवार रात करीब साढ़े नौ बजे दोनों लोग अपने किसी रिश्तेदार को लेने बाइक से ढकिया रोड पर जा रहे थे। गांव लोधीपुर से निकलते ही उनकी बाइक अनियंत्रित हो गई और किसी चीज से टकरा गई। दोनों लोग बुरी तरह जख्मी हो गए। वहां से गुजर रहे कुछ लोगों ने उन्हें सीएचसी पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। सूचना घर तक पहुंची तो कोहराम मच गया। परिजन सीएचसी पहुंचे और हंगामा करने लगे। कुर्सियां तोड़ डालीं। वहां मौजूद पुलिस ने किसी तरह परिजनों को समझाया। पुलिस ने शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेजने चाहे तो परिवार के लोगों ने मना कर दिया। कोतवाल संजय कुमार ने बताया कि तहरीर मिलने के बाद केस दर्ज कर जांच कर मौत का कारण पता लगाया जाएगा। बेटी की डोली उठने से पहले उठीं दो अर्थियां -शनिवार को आशाराम की बेटी की बरात आनी है। परिवार में हंसी खुशी का माहौल था। बरात के स्वागत की तैयारियां चल रही थीं। इस बीच हुए सड़क हादसे ने खुशियों को मातम में बदल दिया। एक साथ दो मौतों से परिवारवालों का रो रोकर बुरा हाल था। परिवार के कुछ लोग तो रोते-रोते बेहोश हो गए।

हत्या की तर्ज पर हादसों के केसों की विवेचना, मुरादाबाद पुलिस ने तैयार की कार्ययोजना, अब धरातल पर उतारेंगे

मुरादाबाद जिले में होने वाले सड़क हादसों की विवेचना हत्या की तर्ज पर गंभीरता से की जाएगी। एसएसपी सतपाल अंतिल ने विवेचकों से कहा गया है कि वह दुर्घटना स्थल के साक्ष्य जुटाएं, गवाहों, आरोपियों व घायलों के वीडियो बयान दर्ज कर मजबूत चार्जशीट तैयार करें। इसके साथ ही हादसे के बार-बार होने वाले प्वाइंटों की पहचान कर संबंधित विभागों से सुरक्षा उपाय भी करवाएं। मुरादाबाद में अब हत्या की तर्ज पर ही अब हादसों के केसों की भी विवेचना की जाएगी। विवेचना के दौरान विवेचक दुर्घटनाओं से जुड़े साक्ष्य जुटाएंगे और गवाह, आरोपी, घायलों के वीडियो बयान भी दर्ज करेंगे ताकी कोर्ट में मजबूती के साथ केस की पैरवी कर हादसों के जिम्मेदार चालकों को सजा दिलाई जा सके।एसएसपी सतपाल अंतिल ने अधीनस्थ अधिकारियों के साथ मीटिंग कर निर्देश दिए हैं कि इन केसों की विवेचना पूरी गंभीरता से साथ की जाए।रोड सेफ्टी अभियान के दौरान यातायात पुलिस और सिविल पुलिस ने जिले के सभी थाना क्षेत्रों में लोगों से संवाद किया।उन्हें यातायात नियम तोड़ने से होने वाले नुकसान के बारे में विस्तार से बताया गया है। इसके साथ ही पुलिस ने जिले में अलग-अलग हादसों में जान गंवाने वाले लोगों के बारे में जानकारी जुटाई जिसमें सामने आया है कि हादसों में जिन लोगों की मौत हुई उनमें कोई अपने घर का इकलौता बेटा था तो कोई घर में कमाने वाला था। लेकिन किसी दूसरे की गलती की वजह से इन परिवारों ने अपनों को खो दिया है लेकिन केसों की सही से विवेचना न होने के कारण हादसों के जिम्मेदार लोग बच निकल रहे हैं। एसएसपी सतपाल अंतिल ने हादसों की रोकथाम और लोगों को मौत के मुंह में धकेलने वाले वाहन चालकों पर सख्त कार्रवाई करने की योजना बनाई है। उन्होंने एसपी सिटी, एसपी यातायात, एसपी देहात और सभी सीओ और थाना प्रभारियों के साथ मीटिंग की। उन्होंने कहा कि जिस स्थानों पर हादसे हो रहे हैं वहां सबसे पहले इस बात की पड़ताल की जाए कि इन प्वाइंटों पर ही हादसे क्यों हो रहे हैं। इन हादसों को रोकने के लिए क्या उपाय किए जा सकते हैं। संबंधित विभागों के साथ मीटिंग कर वहां हादसे रोकने के इंतजाम किए जाएं। इसके अलावा हादसों की विवेचना में कोई लापरवाही नहीं बरती जाए। इनकी विवेचना पूरी गंभीरता से की जाए। विवेचना सब इंस्पेक्टर और इंस्पेक्टर स्तर के विवेचक की करें। मजबूत चार्जशीट तैयार कर उसे कोर्ट में पेश किया जाए ताकी हादसों की जिम्मेदार आरोपियों को सजा दिलाई जा सके। दुर्घटना के बाद भागने पर चालक को होगी दस साल की कैद- अधिवक्ता अभिषेक शर्मा ने बताया कि नए कानून (भारतीय न्याय संहिता) के तहत हादसों पर सजा और जुर्माना सख्त हो गया है। दुर्घटना के बाद मौके से भागने (हिट एंड रन) पर 10 साल तक की सजा और जुर्माना हो सकता है। यदि आरोपी घायल को अस्पताल पहुंचाता है तो सजा कम हो सकती है। लापरवाही से हुई मौत के लिए भारतीय दंड संहिता की धारा 106 (1) के तहत 5 साल तक की सजा और जुर्माना है बशर्ते चालक घटना की सूचना पुलिस को दे। दस माह में हादसों के आंकड़े हादसे 464 मौत 259 घायल 390 हादसों की विवेचना भी गंभीरता किए जाने के निर्देश दिए हैं। इन केसों में मजबूत चार्जशीट तैयार की जाएगी और कोर्ट में भी मजबूती से पैरवी कर सजा दिलाई जाएगी। इसके अलावा हादसे रोकने के लिए रोड सेफ्टी अभियान चलाया जा रहा है। जिसमें लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया जा रहा है। अभियान चलाने से एक व्यक्ति भी जान बचेगी तो यह अभियान की सफलता होगी। - सतपाल अंतिल, एसएसपी हेड कांस्टेबल भी सीखेंगे विवेचना करना- हेड कांस्टेबल पदोन्नत होकर दरोगा बनते तो उन्हें विवेचना दी जाती हैं लेकिन उनके एक दो दिन विवेचना सीखने में ही निकल जाता है इसके लिए उन्हें पहले से विवेचना के लिए तैयार की जाएगा। एसएसपी ने थाना प्रभारी और सीओ को निर्देश दिए हैं कि हेड कांस्टेबलों को भी दरोगा और इंसपेक्टर के विवेचना में लगाएं ताकी वह विवेचना करना सीख जाएं ताकी भविष्य में वह दरोगा बनते तो उन्हें और विभाग को इसका फायदा मिल सके।

यूपी में टैक्स चोरी: केरल नेटवर्क की 10 बोगस फर्मों का पंजीयन निरस्त, माल मंगाने वालों से होगी पूरी वसूली

केरल के एक कारोबारी ने बोगस फर्मों से करोड़ों की जीएसटी चोरी करते हुए दिल्ली के नेटवर्क के माध्यम से यूपी की 20 फर्मों को आईटीसी ट्रांसफर किया। जांच में इन फर्मों में से 10 का पंजीकरण निरस्त कर दिया गया। अधिकारियों के मुताबिक केरल नेटवर्क की किसी फर्म ने जीएसटी कैश या ऑनलाइन जमा नहीं किया है।यूपी के मास्टर माइंड अंकित कुमार की तरह केरल के एक कारोबारी ने बोगस फर्मों के माध्यम से करोड़ों की जीएसटी चोरी की है। उसने दिल्ली के कारोबारी को माल भेजकर आईटीसी ट्रांसफर किया। दिल्ली के कारोबारी ने मुरादाबाद और संभल सहित 20 फर्मों को आईटीसी ट्रांसफर किया।इनमें 10 फर्में निरस्त कर दी गई हैं। उच्चाधिकारियों से मिले इनपुट के आधार पर अपर आयुक्त ग्रेड-1 अशोक कुमार ने एक टीम गठित कर केरल को नेटवर्क को खंगालने के निर्देश दिए। टीम ने जांच कर बताया कि केरल के कारोबारी ने 2024 में अपनी फर्म का पंजीयन कराया था। इसके बाद उसने दिल्ली के कारोबारी को आयरन और स्टील का माल भेजकर 154 करोड़ का टर्नओवर दिखाया। इसी प्रकार दिल्ली के कारोबारी ने जनवरी में अपनी फर्म का पंजीयन कराने के बाद मार्च तक काम किया। इस दौरान उसने आयरन, स्टील का माल मेरठ, मुरादाबाद और संभल में भेजकर 149 करोड़ का टर्नओवर दिखाते हुए आईटीसी पासआन किया। दिल्ली के कारोबारी ने यूपी की 20 फर्मों को आईटीसी ट्रांसफर किया। इन फर्मों में मुरादाबाद की तीन, संभल और मेरठ की फर्में शामिल हैं। अपर आयुक्त ग्रेड-1 ने बताया कि इनमें दस फर्मों का पंजीयन निरस्त कराया गया है। केरल नेटवर्क के किसी कारोबारी ने जीएसटी कैश या ऑनलाइन जमा नहीं किया। फर्मों की जांच से कई कारोबारी परेशान- मुरादाबाद जिले में 13 बोगस फर्मों की जांच से कई अन्य कारोबारी परेशान हैं। एक कर अधिवक्ता ने आशंका जताई कि जिले में कई लोग बोगस फर्मों के साथ काम कर चुके हैं। ऐसे हालात में कुछ लोगों को फंसने का डर सता रहा है। राज्य कर विभाग ने ठाकुरद्वारा में जिले के दस कारोबारियों की फर्मों के नाम पर केस दर्ज कराया है।इनपुट के आधार पर तीन अन्य फर्मों की जांच राज्य कर विभाग कर रहे हैं। इस स्थिति में शहर के कुछ कारोबारियों के लपेटे में आने की संभावना जताई जा रही है। अभी राज्य कर के अधिकारी इस बारे में कुछ बोलने के लिए तैयार नहीं हैं। माल मंगाने वालों से होगी वसूली जांच में आया है कि दिल्ली के कारोबारी ने इस प्रक्रिया से करीब 26 करोड़ की टैक्स चोरी की है। राज्य कर अधिकारी इन बोगस फर्मों के खिलाफ कार्रवाई करेंगे। माल मंगाने वालों से वसूली की जाएगी। यह मामला मास्टर माइंड अंकित कुमार से अलग है।

सुसाइड... अफेयर और कत्ल, पवन ने भाई के साथ किसान इंदर को इसलिए मार डाला; वजह जान पुलिस भी हैरान

अमरोहा में रंजिश में किसान की हत्या हुई थी। पुलिस ने किसान की हत्या का खुलासा कर दिया। हत्या के आरोपी दो सगे भाई गिरफ्तार किए गए हैं।अमरोहा के हसनपुर के गांव लुहारी खादर निवासी किसान इंदर सिंह (45) की हत्या में पुलिस ने गांव के ही दो भाइयों को गिरफ्तार किया है। दोनों ने रंजिश के चलते किसान की गला दबाकर हत्या कर शव रस्सी के सहारे पेड़ पर लटका दिया था। मामले में एक आरोपी के किसान के परिवार की महिला से संबंध होने की बात भी सामने आई है, जिसका किसान विरोध करते था।परिजनों के मुताबिक, इंदर सिंह दो नवंबर की रात खेत पर बने मचान पर सोने गए थे जहां से वह गायब हो गए थे। चार नवंबर की सुबह खेत से करीब 100 मीटर की दूरी पर वन विभाग के जंगल में उनका शव पेड़ से लटका मिला था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में गला दबाकर हत्या की पुष्टि हुई थी। तहरीर के आधार पर गांव लुहारी खादर निवासी पवन, सतपाल, अल्लीपुर मिलक निवासी रतन सिंह, सतेड़ा निवासी मनवीर के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया था। शुक्रवार को एसपी अमित कुमार आनंद ने घटना का खुलाया किया। उन्होंने बताया कि मामले में नामजद पवन व उसके भाई कमल को गिरफ्तार किया है।

एसपी ने बताया कि इंदर की भतीजी नीतू व पवन की बहन सीमा एक ही स्कूल में साथ पढ़ती थीं। पवन सीमा को नीतू के घर जाने से रोकता था। जून 2020 पवन के भाई कमल ने सीमा को नीतू के घर देखा तो उसे थप्पड़ मार दिया। इस बीच नीतू ने भी कमल को थप्पड़ मार दिया जिससे दोनों परिवार में विवाद हो गया था। उधर, घटना के बाद सीमा ने आत्महत्या कर ली थी। पवन के परिजन बिना कार्रवाई के शव का अंतिम संस्कार करने जा रहे थे तो इंदर ने पुलिस को इसकी सूचना दे दी थी, जिस पर पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई भी की थी। इस घटना के बाद पवन परिवार के साथ हापुड़ के गढ़मुक्तेश्वर के गांव गढ़ावली में जाकर रहने लगे थे और करीब तीन साल तक किराये पर वहीं रहे। उधर, बेटी की मौत व पुलिस की कार्रवाई से तनाव में आए पवन व कमल के पिता की भी मौत हो गई थी। वह गांव के सरपंच भी रहे थे जिसके बाद दोनों भाइयों की इंदर से रंजिश बढ़ गई थी। वहीं, पवन का परिवार लुहारी खादर में सड़क किनारे एक छोटा मकान बनाकर रहने लगा व पवन भट्टे पर काम करने लगा था। वहीं, घटना के बाद से ही दोनों भाई किसान इंदर से रंजिश रखने लगे थे। दोनों भाइयों ने किसान की हत्या की योजना बनाई और जब दो नवंबर की रात को 10.30 बजे इंदर खेत पर मचान पर सो रहा था तो मचान पर चढ़कर पवन व कमल ने गला घोटकर किसान की हत्या कर दी। साथ ही आत्महत्या का रूप देने के लिए शव को फंदे से लटका दिया। कई दिन तक पुलिस को गुमराह करता रहा आरोपी- किसान का हत्यारोपी पवन कई दिन तक पुलिस गुमराह करता रहा। उसने शुरू में घटना की रात अपनी लोकेशन गांव से बाहर होना बताई थी। पुलिस ने शुरू में ही पवन को हिरासत में ले लिया था लेकिन पूछताछ में पवन ने अधिक चालाकी दिखाई और पुलिस सामने फटाफट जबाव दिए। इसलिए पुलिस ने उसे छोड़ दिया था, फिर पुलिस को उस पर शक हुआ और हिरासत में लेकर पूछताछ की तो वह खुल गया। एसपी ने बताया कि पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि मृतक इंदर से बाद में भी कई बार विवाद हुआ। इंदर आरोपी पवन के प्रति शत्रुता का भाव रखता था। पुलिस के मुताबिक आरोपी पवन के मृतक इंदर की इंदर के परिवार की महिला से संबंध बन गए थे। महिला की शादी होने पर भी पवन की उससे बातचीत होने पर इंदर परेशान रहता था। सपी ने बताया कि मृतक इंदर सिंह की हत्या से कुछ दिन पूर्व इंदर ने करनखाल स्थित एक होटल की छत पर शराब पीते समय पवन को उसके परिवार की महिला का पीछा नहीं छोड़ने के कारण खत्म कर देने की बात कहते हुए पवन ने सुन लिया था। इसके बाद पवन ने इंदर की हत्या की योजना बनाई।

संक्षिप्त समाचार

13 दिन में एआरटीओ ने 31 डंपर किए सीज...HSRP नहीं होने पर 35 का चालान

एआरटीओ ने 13 दिन अभियान चलाकर जिले में 31 डंपरों को ओवरलोड के चलते सीज कर दिया। जबकि 35 डंपरों का हाई सिक्योरिटी प्लेट ना होने के कारण चालान कर दिया।

इससे वाहन चालकों में हड़कंप मच गया है। इस तरह से करीब 10 लाख का जुर्माना डाला गया है। जिले भर में धड़ल्ले से ओवरलोड वाहन चल रहे हैं जोकि लोगों के लिए मौत का सामान बन रहे हैं। आए दिन किसी न किसी क्षेत्र में इन डंपरों की वजह से हादसे होते रहते हैं। जिसको देखते हुए अधिकारियों के निर्देश पर अभियान चलाया जा रहा है। एआरटीओ रोजाना डंपरों को रोक कर उनके कागजात चेक करने के बाद सीज करने की कार्रवाई कर रहे हैं। अगर आंकड़ों पर नजर डाली जाए तो 1 नवंबर से लेकर 13 नवंबर तक एआरटीओ ने अब तक 31 डंपरों को सीज किया है। 35 डंपरों को हाई सिक्योरिटी प्लेट नहीं होने के कारण चालान काटा है। इस कार्रवाई से डंपर चालकों में हड़कंप मच गया है। एआरटीओ राजेश श्रीवास्तव ने बताया कि यह अभियान आगे भी जारी रहेगा। रात दस बजे के बाद डंपर चालक सक्रिय हो गए जाते हैं। स्वार टांडा और शाहबाद पटवाई रोड पर धड़ल्ले से डंपर दौड़ने लगते हैं अधिकारियों के डर से यह डंपर चालक तेजी के साथ दौड़ते हैं। जिससे हादसे हो जाते हैं। राम रहीम पुल के ऊपर कई बार इन डंपरों की वजह से हादसे हो चुके हैं।रॉग साइड चलने पर 88 वाहनों का चालान रॉग साइड चलने वालों को लेकर भी अधिकारी उपसंभागीय विभाग के अधिकारियों द्वारा कुछ दिन का विशेष अभियान चलाकर 88 रॉन्ग साइड चलने वाले वाहनों के चालान काटे गए। इसके अलावा 27 वाहन ऐसे शामिल है। जोकि बिना सीट बेल्ट के चला रहे थे। इस कार्रवाई से दो पहिया वाहन से लेकर 4 पहिया वाहन चालकों तक में हड़कंप मचा हुआ है

स्वास्थ्य विभाग ने जिवाई कदीम में 513 बच्चों को लगाए टीके

मिलक क्षेत्र के जिवाई कदीम गांव में डिप्थीरिया से तीन बच्चों की मौत के बाद स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह अलर्ट है। विभाग ने गांव में घर-घर जाकर बीमारियों से बचाव के लिए 513 बच्चों को टीके लगाए।मनीष को 11 नवंबर को तेज बुखार और गले में संक्रमण के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उसकी हालत में सुधार न होने पर जब उसे मुरादाबाद रेफर किया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई थी।ग्रामीणों के अनुसार, पिछले डेढ़ महीने में इसी गांव में दस वर्षीय ऋषभ और माही की भी इसी तरह के लक्षणों के बाद मौत हो चुकी है। डिप्थीरिया बीमारी से तीन बच्चों की मौत हो चुकी है। बृहस्पतिवार को डब्लूएचओ और स्वास्थ्य विभाग की टीम ने गांव जाकर जांच पड़ताल की थी। टीम ने बच्चों की जांच की। साथ ही बीमारी से बचने के लिए टीकाकरण भी किया। बीमारी से बचाव को लेकर गांव व आसपास क्षेत्र में लगातार टीके लगाए जा रहे हैं। टीम लगातार इस गांव और आसपास के क्षेत्र में है और बच्चों की जांच और टीकाकरण के साथ ही लोगों को बीमारियों से बचाव के प्रति जागरूक कर रही है। - डॉ. वाशित अली, सीएचसी प्रभारी मिलक

विवाहिता ने दर्ज कराई दहेज उत्पीड़न की रिपोर्ट

टांडा। एक विवाहिता ने कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराते हुए अपने पति और ससुराल पक्ष पर दहेज की मांग को लेकर प्रताड़ित करने, मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के गंभीर आरोप लगाए हैं।पीड़िता के अनुसार नौ जुलाई को हुए उसके विवाह के बाद पति सर्वेश कुमार और ससुराल वाले दहेज में दी गई वस्तुओं से असंतुष्ट रहे और बुलेट मोटरसाइकिल की मांग करते रहे। मांग पूरी न होने पर उसे मारपीट और मानसिक प्रताड़ना दी जाती थी।निकाल दिया ।पीड़िता ने आगे आरोप लगाया कि 10 नवंबर को उसके पति और रिश्तेदार उसके मायके में घुस आए और उसके साथ-साथ उसके माता-पिता से भी मारपीट की। कोतवाली प्रभारी संदीप मिश्रा ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया है। जांच की जा रही है।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

ज्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

मालगाड़ी के डिब्बे में भड़की आग, मची अफरातफरी ; फायर ब्रिगेड ने काबू पाया

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। परसाखेड़ा में शनिवार को सुबह पार्सल मालगाड़ी के एक डिब्बे में अचानक आग भड़क गई। बरेली जंक्शन पर पहुंचने से पहले ही लोको पायलट ने बोगी से धुआं निकलते देखा और तत्काल कंट्रोल रूम को सूचना दी। सूचना मिलते ही रेलवे अफसर अलर्ट हो गए और फायर ब्रिगेड को मौके पर बुला लिया गया। बरेली जंक्शन पर मालगाड़ी को रोका गया। जिस डिब्बे में आग लगी थी, उसे तत्काल ट्रेन से अलग कर दिया गया। एहतियात के तौर पर रेलवे कर्मियों ने आसपास का क्षेत्र खाली करा लिया। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने पानी की बौछार कर आग को बुझाया। बताया गया है कि यह मालगाड़ी दिल्ली से झारखंड जा रही थी। आग किन कारणों से लगी, यह अभी पता नहीं चला है। रेलवे की टीम ने जांच शुरू कर दी है। एक घंटा बाद मालगाड़ी को रवाना कर दिया गया है। मुख्य वाणिज्य निरीक्षक इमरान ने बताया कि घटना सुबह की है। आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। मामले की जांच कराई जा रही है।

योगी सरकार में धान खरीद ने पकड़ी रफ्तार ,48 घंटे में किसानों के खाते में हो रहा भुगतान

एक अक्टूबर से बरेली मंडल में की जा रही धान खरीद , फरवरी तक पूरा होगा लक्ष्य

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। किसानों को उनकी फसल का 48 घंटे के अंदर भुगतान करवाने के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशों के बाद खाद्य एवं विपणन विभाग ने तैयारियां तेज कर दी हैं। किसानों के पास जाकर धान की खरीद की जा रही है। 1 नवंबर 2025 से तक धान खरीद चलेगी। में 1 अक्टूबर 2025 से धान योगी सरकार धान किसानों न्यूनतम समर्थन मूल्य के तहत सरकार ने सामान्य धान के और ग्रेड ए धान के लिये मूल्य तय किया है। बरेली से हो चुकी है धान की खरीद और उतार को लेकर शुरू होकर 28 फरवरी 2026 बरेली समेत समूचे पश्चिमी यूपी की खरीद की जा रही है। को उनकी उपज के बदले भुगतान कर रही है। योगी लिये 2369 रुपये क्वींटल 2389 रुपये क्वींटल समर्थन मंडल के 17 हजार किसानों खरीदी- बरेली मंडल में धान तैयारियां तेजी से की जा रही हैं। क्रय केंद्रों से राइस मिलों को संबद्ध कर दिया गया है। रीजनल फूड मार्केटिंग ऑफिसर सचिन चौरसिया ने बताया कि बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर और बदायूं जिलों के लिए 7 लाख 19 हजार मीट्रिक टन धान खरीद का लक्ष्य निर्धारित है। अब तक मंडल में 1,06,853 मीट्रिक टन धान की खरीद हो चुकी है। मंडल के 17,077 किसानों के खातों में 24,536 लाख रुपये का भुगतान भेजा जा चुका है। उन्होंने सभी क्रय केंद्र प्रभारियों को निर्देशित किया है कि किसानों से लगातार संपर्क बनाए रखें। धान खरीद की गति बढ़ाएँ। भुगतान में एक भी दिन की देरी न हो, ताकि किसान समय से गेहूं की बुवाई कर सकें। प्रदेश में 43105 से अधिक किसानों में 545 करोड़ का भुगतान- सरकारी आंकड़ों के मुताबिक प्रदेश में 2.86 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद नोडल एजेंसियों द्वारा की जा चुकी है। यह आंकड़ा पिछले वर्ष से 65,820 टन अधिक है। पूरे प्रदेश में 43,105 से अधिक किसानों के खातों में अब तक 545 करोड़ रुपये सीधे डीबीटी के माध्यम से भेजे जा चुके हैं। सरकार ने साफ कर दिया है कि किसी भी किसान का भुगतान लंबित नहीं रहेगा और आधार-लिंक्ड खाते में धनराशि सीधे स्थानांतरित होगी। मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप एक-एक दाना एमएसपी पर खरीदा जायेगा। एक-एक किसान को समय से उसका हक मिलेगा। जब तक किसानों के पास धान रहेगा। सरकारी क्रय केंद्र बंद नहीं होंगे। धान खरीद के मौजूदा आंकड़ों और फरवरी तक बढ़ाई गई अवधि के बाद उम्मीद है कि प्रदेश में 60 लाख मीट्रिक टन के लक्ष्य के करीब पहुंचेगा ।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

एसआईआर : जिन घरों में कोई न मिले तो वहां बीएलओ तीन बार जाएं

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। एसआईआर कार्य की निगरानी तेज हो गई है। जिला निर्वाचन अधिकारी अविनाश सिंह ने बीते दिवस दोपहर बिथरी चैनपुर विधानसभा क्षेत्र के बूथ संख्या 79, पूर्व माध्यमिक विद्यालय उदयपुर जसरथपुर में निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारी व बीएलओ से कहा कि मतदाता पुनरीक्षण कार्य में किसी भी प्रकार की शिथिलता न बरतें। बीएलओ मतदाता प्रपत्र को लेकर प्रत्येक घर में जाएं, जिन घरों में कोई न मिले तो वहां तीन बार जाना सुनिश्चित करें। यदि तीनों बार में कोई नहीं मिलता है तो प्रधान या पड़ोस के दो व्यक्तियों के साथ उस घर पर गणना प्रपत्र को चस्पा कराएं और स्वयं की फोटो लें या प्रपत्र को घर के अंदर दरवाजे के नीचे से डाल दें। उन्होंने कहा कि मतदाता पुनरीक्षण कार्यों में प्रत्येक बीएलओ को बीएलओ एप का संचालन करना अच्छे से आना चाहिए। कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। निरीक्षण में संबंधित एईआरओ, ग्राम प्रधान सुपरवाइजर, बीएलओ आदि उपस्थित रहे। राजवती नाम की महिला के बने थे आठ वोट - डीएम अविनाश सिंह ने बताया कि हाल ही में उन्होंने आंवला के एक गांव में निरीक्षण किया। वहां पहले की मतदाता सूची देखी तो उसमें राजवती नाम की महिला के आठ वोट बने हुए थे। सूची में पति का नाम अलग-अलग, जबकि पता एक जैसा था। कई जगहों पर डुप्लीकेट मतदाता सामने आ रहे हैं। एसआईआर के दौरान डुप्लीकेट मतदाताओं के नाम हट जाएंगे, इससे मतदाता सूची एकदम सही रह जाएगी। डुप्लीकेट मतदाता निकलने से जिले में करीब साढ़े 32 लाख मतदाताओं की संख्या में कमी भी आएगी।

अवैध मादक पदार्थ के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली।थाना बारादरी पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ तस्करी के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने वीरपाल और वीरेंद्र के कब्जे से 20.80 किलो डोडा छिलका बरामद किया, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 5 लाख रुपए बताई गई है। दोनों आरोपियों को कार्रवाई के बाद जेल भेज दिया गया।

अलखनाथ मंदिर कॉरिडोर प्रोजेक्ट में संदिग्ध लोगों ने रुकवाया काम

महंत कालू गिरी ने डीएम से की कठोर कार्रवाई की मांग

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। ऐतिहासिक अलखनाथ मंदिर कॉरिडोर में निर्माण कार्य अचानक रोक दिए जाने से बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। मंदिर प्रबंधन ने जिलाधिकारी बरेली को प्रार्थना पत्र देकर गंभीर आरोप लगाए हैं कि कुछ संदिग्ध लोग मंदिर परिसर में घुसकर पर्यटक विभाग द्वारा चल रहे निर्माण को बाधित कर रहे हैं। मंदिर प्रबंधन का आरोप है कि मुकेश यादव, अपने साथ जमील अहमद सहित 4-5 लोगों को लेकर मंदिर परिसर में घुस आया और दावा किया कि वह हिन्दू युवा वाहिनी का पदाधिकारी है तथा गाटा संख्या 735 व 736/944 की जमीन उसी ने खरीदी है। मौजूद साधु-संतों और भक्तों द्वारा पूछताछ पर उसने निर्माण रुकवाने का प्रयास किया। मंदिर प्रबंधन का दावा जमीन पर सदियों से मंदिर का ही कब्जा है। महंत कालू गिरि ने बताया कि यह जमीन आदि-अनादि काल से बाबा अलखनाथ के कब्जे में है। खसरे में भी इस भूमि पर बाबा अलखनाथ की झाड़िया दर्ज हैं। इसके साथ ही मंदिर परिसर में हनुमान मंदिर, समाधियाँ, बगीचा, अमरूद-आम के पेड़ और धार्मिक ढांचे मौजूद हैं। 1965 से चल रहा केस- 1970 और 1977 में दो बार खारिज मंदिर प्रबंधन ने रिकॉर्ड पेश करते हुए बताया वाद संख्या 08-3-65, धारा 180 यूपी टी एक्ट के तहत चुन्ना खां बनाम बाबा दत्त गिरि मुकदमा 17 जनवरी 1970 को खारिज। इसके बाद अपील मंडलायुक्त बरेली में-जो 21 जनवरी 1977 को खारिज। बाद में हाईकोर्ट में दायर याचिका भी वापस ले ली गई। महंतों ने आरोप लगाया कि 2015 में फर्जी तरीके से दाखिल-खारिज कराई गई, जिसे तत्काल निरस्त किया जाना आवश्यक है। पर्यटक विभाग का निर्माण भी तोड़ा, तनाव बढ़ा मंदिर वालों ने बताया कि पहले से बनी धर्मशाला व बाबा पवन गिरि का 20म20 का कमरा, जिसे नगर निगम ने बनाया था, पर्यटक विभाग ने तोड़ दिया। अब जब प्रसाद व फूल की दुकान और शौचालय का निर्माण हो रहा था तो इन लोगों ने आकर काम रुकवा दिया। मंदिर में मुसलमानों का प्रवेश वर्जित फिर भी घुस गए लोग मंदिर गेट पर स्पष्ट लिखा है कि मुसलमानों का अंदर आना सख्त मना है, लेकिन इसके बावजूद कुछ लोग जबरन अंदर घुसे, जिससे माहौल तनावपूर्ण हो गया। महंत कालू गिरी व प्रबंधन समिति ने जिलाधिकारी से मांग की है कि सभी दस्तावेजों की तत्काल जांच कराई जाए।साथ ही फर्जी दाखिल-खारिज रद्द की जाए। मंदिर कॉरिडोर में बाधा डालने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाए। मांग की है रुकवाया गया निर्माण कार्य फौरन शुरू कराया जाए।

जनपद में शुरू हो रहा नाईट ब्लड सर्वे , स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को किया गया प्रशिक्षित

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली राष्ट्रीय फाइलेरिया उन्मूलन अभियान के अंतर्गत फाइलेरिया रोगियों की पहचान के लिए जनपद के तीन ब्लाक क्यारा, भमोरा एवं फरीदपुर में 16 से 26 नवंबर तक नाइट ब्लड सर्वे(एनबीएस) किया जाएगा । इसी क्रम में शनिवार को सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी(सीएचओ), प्रयोगशाला प्रविधियों एवं हेल्थ सुपरवाइजर प्रशिक्षण कार्यक्रम मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ विश्राम सिंह की अध्यक्षता में अयोजित हुई । प्रशिक्षण कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए नोडल डॉ. प्रशांत रंजन ने बताया कि जनपद के तीन ब्लॉक -क्यारा, भमोरा और फरीदपुर में दो-दो साईट एक सेंटीनल और एक रेंडम साइट का चुनाव किया जायेगा जहाँ पर रात में 10 से दो बजे तक 20 साल या इससे अधिक आयु के लोगों के रक्त के नमूने लिए जायेंगे 7 रात में रक्त की जाँच इसलिए की जाएगी क्योंकि फ़ाइलेरिया के परजीवी माइक्रोफ़ाइलेरिया रात में ही सक्रिय होते हैं 7 हर साईट से 300 रक्त के नमूने लिए जायेंगे 7 इस तरह तीन ब्लाक से कुल 1800 रक्त के नमूने लिए जायेंगे जिसमें प्रधान और सचिव भी सहयोग देंगे 7 यदि किसी व्यक्ति में माइक्रोफाइलेरिया पाया जाता है, तो उसका इलाज शुरू किया जाएगा और उसके परिवार के सदस्यों की भी जांच की जाएगी। वर्तमान में बरेली जिले के 05 ब्लॉक फाइलेरिया की चपेट में हैं। जिले में फाइलेरिया के कुल 248 मरीज़ हैं, जिनमें हाथीपाँव के 185 और हाइड्रोसील के 63 मरीज़ शामिल हैं। हाइड्रोसील के 63 मरीज ऑपरेट हो चुके हैं। इस अवसर पर जिला मलेरिया अधिकारी सत्येन्द्र सिंह ने बताया कि जनपद बरेली में फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत कई अभियान जिनके माध्यम से फाइलेरिया के मामलों को कम करने और इसके प्रसार को रोकने के लिए प्रयास कर रहे हैं। इस ट्रेनिंग में सहायक मलेरिया अधिकारी सूरज प्रकाश, मलेरिया निरीक्षक सहित 18 प्रतिभागी उपस्थित रहे।

शहर में अब तक 63 अवैध कॉलोनियां ध्वस्त, प्लॉट-मकान खरीदने से पहले पूरी

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली शहर के सुनियोजित विकास में बाधक बनने वाले अवैध निर्माण पर बरेली विकास प्राधिकरण (बीडीए) का रुख सख्त है। पांच वित्त वर्ष में अवैध निर्माण के खिलाफ बीडीए की कार्रवाई पर गौर करें तो इस बार सबसे ज्यादा कार्रवाई हुई है। इस वित्त वर्ष में अब तक बीडीए ने 63 अवैध कॉलोनियों और पांच अवैध निर्माण को ध्वस्त कराया है। बीडीए उपाध्यक्ष डॉ. मनिकंडन ए. ने आमजन से अपील है कि नए बिल्डिंग बायलाज के तहत छूट का लाभ उठाते हुए अपने भवन का मानचित्र जरूर स्वीकृत कराएं। वित्त वर्ष 2024-25 में 19 अवैध कॉलोनियों और तीन अवैध निर्माण को ध्वस्त कराया गया था। वित्त वर्ष 2023-24 में 48 अवैध कॉलोनियों और तीन अवैध निर्माण को ध्वस्त कराया गया था। वर्ष 2022-23 में 35 अवैध कॉलोनियों और 229 अवैध निर्माण को ध्वस्त कराया गया था। वर्ष 2021-22 में 31 अवैध कॉलोनियों और 167 अवैध निर्माण पर बुलडोजर चला। इस तरह पांच वित्त वर्ष में 196 अवैध कॉलोनियों और 407 अवैध निर्माण को ध्वस्त कर करीब 85 करोड़ रुपये की आय शमनित की गई है। इस दौरान अवैध निर्माण के कारण 1450 से ज्यादा भवनों पर चालान की कार्रवाई भी की गई है। संपत्ति खरीदने से पहले कर लें जानकारी बीडीए उपाध्यक्ष ने कहा कि आमजन जमीन या भवन खरीदने से पहले उसके बारे में जानकारी जरूर कर लें। प्राधिकरण से मानचित्र स्वीकृति संबंधी जानकारी ले लें। मानचित्र स्वीकृत न होने की दशा में खरीदारी से बचें। अन्यथा बीडीए द्वारा ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की जाएगी तो पूरी जिम्मेदारी खरीदार की ही होगी।

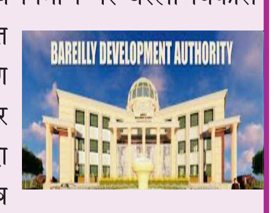

रंगारंग कार्यक्रम के बाद छात्र, छात्राओं को किया पुरस्कृत

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। रचनात्मक लेखन मंच न्यास वाराणसी उपशाखा बरेली द्वारा आज लिटिल फ्लॉवर स्कूल (बरेली) में बालदिवस के अवसर पर फूड स्टॉल एवं रंगारंग कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर संस्था सचिव डॉक्टर विनीता सिसोदिया ने पंडित जवाहरलाल नेहरू से जुड़े प्रेरक प्रसंगों को बच्चों के समक्ष साझा किया, गरिमा भारद्वाज (कार्यक्रम संयोजिका) ने प्रश्नोत्तरी व काव्य गतिविधियां आयोजित करवाई। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या ज्योति गौतम, निर्देशिका ममता त्यागी एवं हेमलता ,अनुष्का एवं समस्त स्टाफ उपस्थित रहा। आज के ही दिन संस्था द्वारा कुमराह गांव बरेली में स्वास्थ्य शिविर का भी आयोजन किया गया जहां जिला एवं स्टब्स मेटरनिटी अस्पताल कुतुब खाना से शहर की प्रतिष्ठित डॉक्टर वर्षा अग्रवाल जी की उपस्थिति में महिलाओं एवं लड़कियों को स्वास्थ्य संबंधित जानकारियां प्रदान की गई एवं सरकार द्वारा दी जा रही स्वास्थ्य सुविधाओं का भी उल्लेख किया गया । गरिमा भारद्वाज द्वारा स्त्री शिक्षा आवश्यकता एवं महत्व विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। अस्पताल से आई सहयोगी बहनों रुचि एवं विनीता द्वारा भी स्वास्थ्य संबंधी प्रश्न उत्तर किए गए। छोटे बच्चों ने भी मनमोहक नृत्य एवं संगीत प्रस्तुत किया डॉ विनीता सिसोदिया ने सब पढ़े सब बढ़े स्कूल चले हम के महत्व को समझाते हुए बच्चों को शिक्षा और स्वास्थ्य दोनों पर नियमित रूप से ध्यान देने की बात कही। संस्था की जौनपुर शाखा से दो बिंदू सिंह द्वारा बी पॉलिटेक्निक पार्क जौनपुर में बाल दिवस का आयोजन धूमधाम से किया गया।

राजिया के लाल को ललित ने पीटा: पेड़ से बांधकर दी तालिबानी सजा, हाथ-पैर रस्सी से बांध की पिटाई

एसपी देहात डॉ. तेजवीर सिंह ने बताया कि एक बच्चे को पेड़ से बांधकर पीटने की शिकायत पर पुलिस टीम मौके पर गई थी। बच्चे को बंधन से मुक्त करा गांव दूदूपुर निवासी परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया है।यूपी के खुर्जा स्थित नेहरूपुर चुंगी के पास चोरी के आरोप में 10 वर्षीय बच्चे को पेड़ से बांधकर तालिबानी सजा देने का मामला सामने आया। कुछ लोग बच्चे को पेड़ से बांधकर पिटाई कर रहे थे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने बच्चे को बंधन से मुक्त कराया और एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।खुर्जा के नेहरूपुर निवासी राहुल ने बताया कि चुंगी के पास शनिवार दोपहर को भीड़ इकट्ठा हो रही थी। उन्होंने जाकर देखा कि एक 10 साल के बच्चे को पेड़ पर रस्सी से बांध रखा है। बच्चे को कुछ लोग गाली दे रहे थे और उसकी पिटाई भी कर रहे थे। आस-पास मौजूद लोगों ने घटना का वीडियो बनाया और सोशल मीडिया पर अपलोड कर दिया। सूचना पर स्थानीय पुलिस टीम मौके पर पहुंची और बच्चे को बंधन मुक्त कराया। साथ ही बच्चे से मारपीट करने वाले आरोपी को हिरासत में लिया गया। बच्चे और एक आरोपी को पुलिस कोतवाली लेकर आई। इसके बाद बच्चे के परिजनों को घटना की जानकारी दी। सूचना पर बच्चे के परिजन भी कोतवाली पहुंच गए। जहां बच्चे की मां राजिया ने मामले में तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कराया। स्थानीय लोगों के अनुसार आरोपी ललित स्थानीय एक हिंदू संगठन में कार्यकर्ता है। एसपी देहात डॉ. तेजवीर सिंह ने बताया कि एक बच्चे को पेड़ से बांधकर पीटने की शिकायत पर पुलिस टीम मौके पर गई थी। बच्चे को बंधन से मुक्त करा गांव दूदूपुर निवासी परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया है। इसमें बच्चे की मां राजिया की तहरीर पर आरोपी ललित सैनी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया और जेल भेजा जा रहा है।

केसर चीनी मिल में हुआ बायलर पूजन, 18 नवम्बर से शुरू होगा पेराई सत्र

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बहेड़ी। केसर शुगर मिल में आज बायलर में आग डाल दी गई. विधिवत हवन पूजन के बाद केसर के सीइओ शरत मिश्रा ने बायलर में आग डालने की रस्म अदा की। केसर मिल का पेराई सत्र 18 नवम्बर से शुरू होना है.मिल प्रबंधन ने इसको लेकर की जाने वाली तैयारियों को अंतिम रूप देते हुए बायलर पूजन की रस्म पूरी की. इस मौके पर मिल के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

कोंच तहसील के ग्राम अंडा में जलभराव समस्या का समाधान

क्यूँ न लिखूँ सच / राजेंद्र विश्वकर्मा/ जालौन जिले के कोंच तहसील क्षेत्र के ग्राम अंडा में लंबे समय

से बनी जलभराव की समस्या का समाधान कर दिया गया है। पिछले दिनों हुई भारी बारिश के बाद तालाब ओवरफ्लो होने से पूरे गांव में पानी भर गया था, जिससे ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। ग्रामीणों की शिकायत पर उपजिलाधिकारी (एसडीएम) ज्योति सिंह ने तत्काल संज्ञान लेते हुए स्वयं मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायज़ा लिया। उल्लेखनीय है कि एसडीएम ज्योति सिंह गांव की गलियों में मोटरसाइकिल से होकर पहुँचीं और पूरे क्षेत्र का निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर मौजूद कर्मियों की कार्यशैली नोट की और अधीनस्थ अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि गांव की सभी समस्याओं का शीघ्र समाधान किया जाए। इसके लिए पत्राचार के माध्यम से भी संबंधित विभागों को कार्यवाही के निर्देश भेजे जा रहे हैं। मौके पर ही एसडीएम ने बीडीओ कोंच, पुलिस टीम, लेखपाल एवं राजस्व निरीक्षकों के साथ निरीक्षण कर जेसीबी से नाला खुदवाकर पानी निकासी की व्यवस्था कराई, जिससे कुछ ही समय में जलभराव समाप्त हो गया। पानी निकलते ही ग्रामीणों ने राहत की सांस ली। एसडीएम ने बताया कि यह समस्या का अस्थायी समाधान है। स्थायी निस्तारण के लिए बीडीओ कोंच को पक्का नाला निर्माण कराने हेतु पत्र भेजा जा रहा है, ताकि भविष्य में इस प्रकार की समस्या दोबारा न हो।

खेत में लगी मुड्डियों को उखाड़ने पर हुआ विवाद, मारपीट, 23 लोगों पर मुकदमा दर्ज, वीडियो वायरल

एक दिन पूर्व खेत में राजस्व टीम ने मुड्डियों को लगवाया था। एक पक्ष के लोग उसे उखाड़ रहे थे। दूसरे पक्ष के मना करने पर लाठी-डंडा, फरसा, फावड़ा, कुल्हाड़ी व तमंचा से लैस लोगों ने जानलेवा हमला कर दिया। बचाने आए दो लोगों को घायल कर दिया गया।मुरसान क्षेत्र के गांव कथरिया में भूमि विवाद को लेकर हुई मारपीट में दो पक्षों के 23 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है ।ओमप्रकाश पचौरी निवासी गांव कथरिया का कहना है कि 12 नवंबर की सुबह वह अपने भाई हरिमोहन उर्फ गुड्डू पचौरी के खेत पर गए थे। वहां पर उदयवीर, विजय, हाकिम, लोकेश, आकाश, रंजीत निवासी कथरिया व ओमप्रकाश निवासी निभयपुर इगलास खेत पर एक दिन पूर्व में लगाई गईं मुड्डियों को उखाड़ रहे थे। यह मुड्डियां राजस्व टीम ने लगवाईं थीं। ओमप्रकाश पचौरी पक्ष का कहना है कि मना करने पर लाठी-डंडा, फरसा, फावड़ा, कुल्हाड़ी व तमंचा से लैस लोगों ने जानलेवा हमला कर दिया। बचाने आए भतीजे प्रवीन व सुबोध को भी घायल कर दिया था। वहीं दूसरे पक्ष से हाकिम निवासी कथरिया का कहना है कि बुधवार की सुबह खेत पर उसकी पत्नी अनीता व विमलेश काम कर रहीं थीं। इसी दौरान गांव के भोला, सोनू, बच्चू, अंकुल पचौरी, प्रवीन, रमाकांत, ओमप्रकाश, गगन, गुल्लू उर्फ गुल्ला, दीपू, विष्णू, वीरेंद्र, हरिमोहन, कमलकांत, पिंटा व माधव आदि लोग लाठी, डंडा, सरिया, फावड़ा व कुल्हाड़ी लेकर आए। जाति सूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए मारपीट कर दी। जिसमें लोकेश, विजय व विमलेश को चोटें आईं हैं। मुरसान कोतवाली प्रभारी वीरेंद्र प्रताप गिरी का कहना है कि दोनों पक्षों का मुकदमा कर लिया गया है।

ड्रग्स की लत: अपनों को भूले, 90 मरीज आ रहे अस्पताल, इनमें 35 साल तक के 60 युवा

ड्रग्स की लत के कारण युवा अपना भविष्य दांव पर लगा रहे हैं। कोई नशे में अपनों को भूल रहा तो किसी के हाथों पर जख्मों के निशान पड़ गए हैं। इंजेक्शन से ड्रग्स की ऐसी लत लगी कि किसी की हाथ की नसें सूज गईं तो किसी के हाथों पर जख्मों के निशान उभर आए। कोई नशा करके एचआईवी का शिकार हुआ तो कोई कुपोषण का शिकार हो गया। कोई नशे में मेमोरी लॉस का शिकार हो गया और अपने लोगों को ही भूल गया। करीब 90 मरीज दवा लेने अस्पताल आ रहे हैं। इनका इलाज चल रहा है। इनमें 60 मरीजों की उम्र 18-35 वर्ष के बीच है। यह कहना है दीनदयाल अस्पताल के ओएसटी सेंटर में ऐसे लोगों का इलाज कर रहीं एएनएम अंजनी त्रिपाठी का। उन्होंने बताया कि यहां आने वाले हर व्यक्ति की अलग कहानी है। कोई नशे से परेशान होकर खुद यहां आ रहा है तो किसी के परिजन यहां उन्हें जबरन लेकर आ रहे हैं। एक बार यहां आने के बाद फिर वह नशेड़ी मरीज बनकर यहां स्वेच्छा से आकर नियमित रूप से दवा ले रहे हैं।हर वर्ग के लोग हो रहे नशे का शिकार ओएसटी सेंटर के परामर्शदाता प्रेम प्रकाश श्रीवास्तव ने बताया कि अच्छे घरों के लोग भी इस नशे की गिरफ्त में हैं। जिले में कई क्षेत्र ऐसे भी हैं, जो नशे का हॉट स्पॉट हो चुके हैं। उन क्षेत्रों से भी लोग यहां आते हैं, उनकी पहले काउंसिलिंग करके उन्हें दवाएं दी जाती हैं। इन दवाओं का सामान्य तौर पर दो वर्षों का डोज है लेकिन मरीज जब तक स्वयं दवाओं को छोड़ नहीं देता, तब तक दवाएं चलती रहती हैं। इन दवाओं का 24 से 36 घंटे तक असर रहता है।

ट्रक और ट्रैक्टर की भिडंत, 30 मीटर तक ले गया घसीट कर, दोनों वाहनों के चालक घायल

ट्रक के केबिन में चालक फंस गया। हादसे की थाना पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने लोगों के सहयोग से सीट आदि खोलकर बाहर निकाला। दोनों घायलों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां से उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद रेफर कर दिया गया।गोंडा कस्बा के खैर-इगलास मार्ग पर बैंक शाखा के सामने 15 नवंबर को ट्रक और ट्रैक्टर की भिड़ंत हो गई। हादसे के बाद ट्रक चालक केबिन में फंस गया, जिसे घंटे भर की मशक्कत के बाद बाहर निकाला। जिससे ट्रक चालक के पैर में गंभीर चोटें आ गईं। वहीं ट्रैक्टर चालक के हाथ और पैर में चोटें आईं हैं। घटना के कारण मार्ग पर करीब तीन घंटे तक जाम लगा रहा।प्राप्त जानकारी के अनुसार गांव गुरसैना निवासी लाखन सिंह ट्रैक्टर-ट्राली में धान लाद कर खैर मंडी जा रहा था। हाथरस निवासी ट्रक चालक नीतू दिल्ली नरेला से दाल-चावल लेकर आगरा जा रहा था। 15 नवंबर सुबह करीब पांच बजे गोंडा कस्बा में घुसते ही खैर-इगलास मार्ग पर दोनों वाहन आपस में टकरा गए। टक्कर इतनी तेज थी कि ट्रक ट्रैक्टर को घसीटते हुए 30 मीटर तक ले गया। घटना से ट्रैक्टर में लदा धान सड़क पर बिखर गया। वहीं ट्रैक्टर चालक लाखन सिंह के हाथ-पैर में चोटें आ गईं। जोरदार आवाज होने पर आस- पड़ोस के लोग बाहर निकल आए। ट्रक के केबिन में चालक फंस गया। हादसे की थाना पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने लोगों के सहयोग से सीट आदि खोलकर बाहर निकाला। दोनों घायलों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां से उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद रेफर कर दिया गया। पुलिस ने जेसीबी मंगवाकर दोनों वाहनों को रास्ते से हटाया।

भगवान बिरसा मुंडा ने जल, जमीन और जंगल के अधिकारों के लिए दिया अद्वितीय बलिदान - प्रभारी मंत्री तोमर

क्यूँ न लिखूँ सच / (ब्यूरो) शिवपुरी। जिला स्तरीय जनजाति गौरव दिवस समारोह मानस भवन में बड़े उत्साह के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ऊर्जा मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा कि धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा ने जल, जमीन एवं जंगल जैसे मूल अधिकारों की रक्षा के लिए कठिन संघर्ष कर अपना जीवन समर्पित किया। आज जनजाति गौरव दिवस का उद्देश्य यही है कि उनके कार्य और विचार जन-जन तक पहुंचें। प्रभारी मंत्री ने कहा कि देश तेजी से आर्थिक प्रगति कर रहा है और जनजाति समाज के युवाओं को भी विकास की मुख्यधारा से जोड़ना हमारा संकल्प है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार शिक्षा, स्वास्थ्य और आजीविका के क्षेत्र में आदिवासी समाज के उत्थान हेतु अनेक योजनाएं संचालित कर रही है। आयुष्मान योजना के माध्यम से 5 लाख तक का निःशुल्क इलाज उपलब्ध कराया जा रहा है, वहीं आवास योजनाओं ने हजारों परिवारों को अपना खुद का घर प्रदान किया है। जनप्रतिनिधियों की रही गरिमामयी उपस्थिति कार्यक्रम में विधायक देवेन्द्र जैन, विधायक महेन्द्र सिंह यादव, पूर्व मंत्री सुरेश राठखेड़ा, भाजपा जिलाध्यक्ष जसमंत जाटव, जिला पंचायत अध्यक्ष नेहा यादव, नगर पालिका अध्यक्ष गायत्री शर्मा, जनपद अध्यक्ष हेमलता रावत, एवं विभिन्न जनप्रतिनिधि, अधिकारीगण, आदिवासी समाज के सदस्य व छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान बिरसा मुंडा के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन से हुई। भगवान बिरसा मुंडा युवाओं के प्रेरणास्त्रोत卐- भाजपा जिलाध्यक्ष भाजपा जिलाध्यक्ष ने कहा कि युवा बिरसा मुंडा ने कम उम्र में समाज के हितों के लिए अपना सर्वस्व अर्पित किया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा जनजाति परिवारों को वनाकार पट्टे दिए जाने को उन्होंने ऐतिहासिक कदम बताया। जिला पंचायत अध्यक्ष नेहा यादव ने बिरसा मुंडा के जीवन दर्शन पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए सभी को जनजाति गौरव दिवस की शुभकामनाएँ दीं। कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय जनजाति गौरव दिवस और राज्य स्तरीय समारोह का सीधा प्रसारण भी उपस्थित जनसमुदाय ने देखा और प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के उद्बोधन को सुना।95 विकास कार्यों का भूमिपूजन और लोकार्पण समारोह के दौरान प्रभारी मंत्री तोमर ने कुल 95 विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया। इसमें 1491.57 लाख रुपये की लागत के 53 कार्यों का भूमिपूजन, तथा 5582.32 लाख रुपये की लागत के 42 कार्यों का लोकार्पण शामिल है। साथ ही पीएम जनमन आवास योजना के तहत 1200 हितग्राहियों को गृह प्रवेश करवाया गया। कार्यक्रम में बिरसा मुंडा स्वरोजगार योजना एवं जनमन आवास योजना के हितलाभ भी वितरित किए गए। छात्राओं एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं का सम्मान इस अवसर पर आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाओं को नियुक्ति प्रमाण पत्र दिए गए। हाईस्कूल और हायर सेकेंडरी परीक्षा में प्रथम श्रेणी प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों, तथा राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिता में पदक जीतने वाली जनजातीय छात्राओं को सम्मानित किया गया। छात्रावास की बालिकाओं द्वारा प्रस्तुत लोक नृत्य एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने दर्शकों की खूब प्रशंसा बटोरी।

संक्षिप्त समाचार

घमूरी पर अज्ञात वाहन की जोरदार टक्टर से धान व्यापारी की मौके पर मौत

क्यूँ न लिखूँ सच / पवन कुमार/ कोंच (जालौन) कोंच कोतवाली क्षेत्र में घमुरी के पास अज्ञात वाहन ने बाइक सवार को जोरदार टक्टर मार दी जिससे बाइक चालक गंभीर रूप से घायल हो गया था राहगीरों की मदद से बाइक सवार को कोंच सीएससी में भर्ती कराया जहां पर डाक्टरों ने बाइक सवार को मृत घोषित कर दिया सूचना मिलते ही मंडी चौकी प्रभारी नीतीश कुमार दलबल के साथ सीएससी पहुंचे जहां पर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की कार्यवाही की मृतक किसान लाल सिंह पुत्र रामलखन निवासी कैलिया हाल निवासी नगाइच बाग पटेल नगर कोंच अपनी बाइक से कैलिया से कोंच आ रहे थे तभी घमुरी के पास किसी बड़े अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मारी जिससे बाइक सवार लाल सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए घायल अवस्था में सीएससी लाया गया जहां पर डाक्टरों ने बाइक सवार लाल सिंह को मृत घोषित कर दिया मृतक के दो बेटे थे वीर प्रताप व अनूप कुमार है मृतक लाल सिंह धान के बड़े व्यापारी भी थे इस घटना से मृतक के मोहल्ले में शोक की लहर है

पूर्व विधायक दीप नारायण सिंह यादव दीपक का स्वागत किया

क्यूँ न लिखूँ सच / पवन कुमार/ कोंच(जालौन) पूर्व विधायक दीप नारायण सिंह यादव दीपक का ग्राम अंडा गांव में आगमन हुआ ओर वह समाज वादी पार्टी माधौगढ़ के सीनियर नेता श्यामजी तिवारी एवं समाजवादी पार्टी यूथ के नेता ऋषभ तिवारी के आवास पर पहुंचे समाजवादी पार्टी यूथ ब्रिगेड जिलाध्यक्ष छोटू टाईगर कोंच ने ज़ोरदार स्वागत किया डॉ चंद्रपाल सिंह यादव ने कहा कि 2027 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने जा रही है सबको मिलकर सरकार बनानी है जनता अखिलेश यादव जी की सरकार के कामों को याद कर रही है इस मौके पर तिवारी, विकल यादव, टीकाराम पिपरिया,शिवराम तिवारी,रामजी तिवारी,वीरेंद्र पिपरिया,अरविन्द पिपरैया,दिनेश चौबे श्रीराम दुबे,रामू बबेले,राम द्विवेदी, अरविंद पटेल बबलू विक्रम यादव मोदी तिवारी अमित परिहार कल्लू परिहार अशोक पिपरिया,हरिओम पिपरैया, महेश तिवारी,पार्थ बबेले, सहित तमाम लोग मौजूद रहे

आपसी सहमती से पुलिस ने समझौता कराया

क्यूँ न लिखूँ सच / पवन कुमार/ कोंच(जालौन) थाना कोटरा के ग्राम धुरट निवासिनी कीर्ति पुत्री किशोरी शरण ने बीते दिनों कोतवाली में प्रार्थना पत्र देते बताया था कि वह अपने पति राहुल पुत्र श्याम सुंदर शाक्य निवासी जुझारपुरा थाना कोंच पर मारपीट व प्रताड़ित किये जाने का व दो लाख रुपये मांग का आरोप लगाया कि बात कही थी जिस पर पुलिस ने तत्काल ही संज्ञान लेते हुए जांच शुरू कर दी थी तभी पुलिस कार्यवाही की खबर जैसे ही ससुराल पक्ष के लोगों को मिली तो उन्होंने पति पत्नी को चार गणमान्य व्यक्तियों के सम झाने पर आपसी सुलह के लिए राजी कर लिया जिसमें पति द्वारा पत्नी के साथ भविष्य में मारपीट नहीं की जाएगी और रिश्तों को निभाएंगे जिसमें कीर्ति अभी एक माह अपने पिता के पास रूककर एक माह बाद अपने पति राहुल के साथ ससुराल चली जाये गी सुलह समझौता करवाने में कृपा शंकर परशुराम वर्मा किशोरी राम कुमारी मौजूद रहे जिन्होंने कोतवाल अजित सिंह एस एस आई विमलेश सिंह महिला कांस्टेविल जानवी के समक्ष दोनों का समझौता कराया। इस से दोनों पक्ष संतुष्ट दिखे

PM मोदी के बयान पर बंगाल में सियासी बवाल: TMC बोली- भ्रम में मत रहें, BJP ने कहा- इशारा हो गया है

टीएमसी नेता ने भाजपा को बंगाल विरोधी बताते हुए कहा कि राज्य के आगामी विधानसभा चुनाव में उनकी जीत की कोई उम्मीद या संभावना नहीं है, क्योंकि महिलाएं उन्हें सही जवाब देंगी।बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए को प्रचंड बहुमत किया कि अब भाजपा का अगला लक्ष्य पश्चिम पलटवार का सिलसिला शुरू हो चुका है। तक बहती है. बिहार ने बंगाल में भाजपा की भी जंगल राज हटाएंगे।%% प्रधानमंत्री के बयान साधते हुए कहा कि पीएम मोदी किसी भ्रम में कौड़ी है। टीएमसी ने केंद्र सरकार पर बंगाल शशि पांजा ने कहा, %%आपने बंगाल की मिलने वाली पैसों और राज्य की महिलाओं अन्य नेताओं ने बंगाल की महिलाओं का कहा कि राज्य में भाजपा को %बंगाल विरोधी को बंगाल विरोधी बताते हुए कहा कि बंगाल कोई उम्मीद या संभावना नहीं है, क्योंकि कर दिया ये जवाब- वहीं, पीएम मोदी के

मिलने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुलकर एलान बंगाल है। उनके इस बयान पर अब सियासी वार- पीएम मोदी ने कहा था, %%गंगा बिहार से बंगाल जीत का मार्ग प्रशस्त कर दिया है। अब हम बंगाल से पर पश्चिम बंगाल की मंत्री शशि पांजा ने निशाना मत रहें। बंगाल में भाजपा के लिए जीत दूर की को मिलने वाले पैसे रोकने का लगाया आरोप- महिलाओं का अपमान किया है। आपने बंगाल को को मिलने वाले धन रोका है। आपने और भाजपा के अनादर किया है।% ममता बनर्जी सरकार की मंत्री ने जमींदार% के तौर पर जाना जाता है। उन्होंने भाजपा के आगामी विधानसभा चुनाव में उनकी जीत की महिलाएं उन्हें सही जवाब देंगी। भाजपा ने पलटवार बयान पर पश्चिम बंगाल भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने कहा, प्रधानमंत्री ने वही कहा, जो कहना जरूरी था। बंगाल में जो कुछ भी हो रहा है, वो अराजकता है और कानून व्यवस्था का पूरी तरह से अभाव है। पश्चिम बंगाल की जनता ने तृणमूल कांग्रेस की सरकार को त्यागने का फैसला कर लिया है। भाजपा नेता दिलीप घोष ने भी इस पर बयान देते हुए कहा, %%पीएम मोदी ने इशारा कर दिया है और ये जरूर होगा। अब बंगाल की बारी है। यहां बदलाव बहुत जरूरी है।

कांग्रेस ने आदिवासी वीरों की भूमिका को नजरअंदाज किया, बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर फडणवीस

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि कांग्रेस सरकारों ने स्वतंत्रता संग्राम में आदिवासी वीरों की भूमिका को जानबूझकर नजरअंदाज किया। बीरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर आयोजित जनजातीय गौरव दिवस में फडणवीस ने आदिवासी समुदाय की प्रतिबद्धता जताई।महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को नजरंदाज करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पहले वीरों की भूमिका को इतिहास की किताबों से जानबूझकर नेता और स्वतंत्रता सेनानी बीरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर दौरान फडणवीस ने इस बात पर भी जोर दिया कि उनकी संस्कृति की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।मुख्यमंत्री ने बताया कि जा रही हैं। इनमें आदिवासी आश्रम शालाओं का निर्माण, उन्हें 60,000 रुपये की सहायता, आदिवासी महिलाओं को हैं। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं के लिए भी राज्य और मिलरहा लाभ- सीएम फडणवीस- फडणवीस ने कहा कि शिक्षा योजनाओं से आदिवासी छात्रों को लाभ मिल रहा है।

की जल, जमीन, जंगल और संस्कृति की सुरक्षा पर सरकार ने कांग्रेस पर स्वतंत्रता संग्राम में आदिवासी वीरों की भूमिका के कांग्रेस नेतृत्व वाले सरकारों ने स्वतंत्रता संग्राम में आदिवासी हटाया। यह बात उन्होंने शनिवार को आदिवासी अधिकार आयोजित जनजातीय गौरव दिवस के मौके पर कही। इस सरकार आदिवासी समुदाय की जल, जमीन, जंगल और आदिवासी छात्रों के लिए कई कल्याणकारी योजनाएं चलाई जिन छात्रों को आदिवासी छात्रावास में प्रवेश नहीं मिलता, सशक्त बनाने और आदिवासी गांवों में सड़क निर्माण शामिल केंद्र की योजनाएं लागू की जा रही हैं।आदिवासी छात्रों को आदिवासी आश्रम शालाओं का डिजिटलीकरण और उच्च इस दौरान उन्होंने पीएम मोदी के उस संदेश को भी दोहराया, जिसमें उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम में आदिवासी समुदाय के योगदान को उजागर करने और उनके सम्मान में किताबें लिखने, मूर्तियां बनाने और स्मारक स्थापित करने की बात कही थी। नितिन गडकरी ने बिरसा मुंडा को दी श्रद्धांजलि- सीएम फडणवीस के अलावा केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने भी बिरसा मुंडा के जयंती पर उनको श्रद्धांजलि दी। गडकरी ने कहा कि केंद्र और महाराष्ट्र सरकार आदिवासी समुदाय के जल, जमीन और जंगलों के विकास को नई दिशा देने के लिए काम कर रही हैं। उन्होंने बिरसा मुंडा के योगदान को भी सराहा और कहा कि सरकार आदिवासियों के विकास और प्रगति के लिए प्रतिबद्ध है।

लालू की बेटी रोहिणी आचार्य ने छोड़ी राजनीति, कहा- मैं अपने परिवार से भी नाता तोड़ रही हूं

चुनाव से पहले भी रोहिणी आचार्य ने अपनी नाराजगी जाहिर की थी लेकिन कुछ दिन बाद ही उन्होंने सबकुछ ठीक होने का दावा किया और अपने भाई तेजस्वी का समर्थन किया। आज राजद की करारी हार के बाद उन्होंने चौंकाने वाला बयान दिया है। राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो और छोड़ने का एलान किया है। इतना ही नहीं उन्होंने अपने परिवार से दूरी बनाने मैं राजनीति छोड़ रही हूं और अपने परिवार से भी नाता कर रही हूं। यह कहा था। राजद की हार की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव के करीबी संजय यादव की राजद में दखल से अन्य के सोशल मीडिया पोस्ट को शेयर करते हुए तेजस्वी को निशाने पर लिया था। उन्होंने अपने भाई तेजस्वी यादव के लिखा था कि लालू-तेजस्वी की जगह लेने की कोशिश आचार्य ने जो शेयर किया था, उसमें लिखा था कि- फ्रंट चिन्हित होती है और उनकी अनुपस्थिति में भी किसी को उस आप को शीर्ष नेतृत्व से भी ऊपर समझ रहा है, तो अलग बात है। फिर से रोहिणी ने अपने पिता लालू प्रसाद यादव को जीवनदान देने हथेली पर रखते हुए बड़ी से बड़ी कुर्बानी देने का जज्बा रखते हैं, नहीं उन्होंने यह भी लिखा था कि मैंने एक बेटी व बहन के तौर पर अपना कर्त्तव्य लालसा नहीं है, न मेरी कोई राजनीतिक महत्वाकांक्षा है। मेरे लिए मेरा आत्म-सम्मान सर्वोपरि

पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव की पुत्री रोहिनी आचार्या ने राजनीति की भी घोषणा कर दी है। रोहिणी ने सोशल मीडिया पर लिखा कि वही बात है जो संजय यादव और रमीज़ ने मुझसे कहने को मैं सारी ज़िम्मेदारी ले रही हूं।दरअसल, रोहिणी आचार्य, नाराज चल रही हैं। 18 सितंबर को भी उन्होंने किसी यादव के साये बने राज्यसभा सांसद संजय यादव करीबी सांसद संजय यादव को निशाना साधते हुए करने वालों को देखना पसंद नहीं करती हैं। रोहिणी सीट सदैव शीर्ष के नेता - नेतृत्वकर्त्ता के लिए सीट पर नहीं बैठना चाहिए .. वैसे अगर कोई अपने मेरे लिए मेरा आत्म-सम्मान सर्वोपरि है इसके बाद वाला फोटो-वीडियो शेयर करते हुए लिखा है- जो जान बेखौफी-बेबाकी-खुद्दारी तो उनके लहू में बहती है। इतना ही एवं धर्म निभाया है और आगे भी निभाती रहूंगी। मुझे किसी पद की है। अब रोहिणी की यह दोनों पोस्ट सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। रोहिणी के समर्थकों ने लिखा कि बिहार एक बेटी की यह कुर्बानी कभी नहीं भूलेगा। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद के लिए आपने जो किया उसे भूला नहीं जा सकता। दूसरे समर्थक ने लिखा कि अपनी किडनी अपने पिता को देकर आपने उन्हें जीवनदान दिया।राजद में किसी तरह की गलतफहमी नहीं है रोहिणी ने पोस्ट के बाद राजद के सांसद, तेजस्वी यादव के करीबी संजय यादव रोहिणी आचार्य के आरोपों पर प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने साफ कहा कि रोहिणी दीदी ने जो कहा, उसका संदर्भ हम सब भली-भांति समझते हैं। पार्टी पूरी तरह से एकजुट है, और किसी प्रकार का कोई भ्रम या मतभेद नहीं है। राजद में किसी तरह की गलतफहमी नहीं है।

कत्ल कर आधा घंटे में किए टुकड़े... लाश ठिकाने लगाने के बाद चार बार धुली बस; मोनू ने इसलिए प्रेमिका को मारा

नोएडा-ग्रेनो एक्सप्रेसवे किनारे सेक्टर-82 कट के पास सिर और हाथ कटा महिला का शव मिलने के मामले में पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। 192 घंटे से ज्यादा पुलिस का ऑपरेशन-82 चला। बच्चों ने पैर के बिछुए को पहचाना तो आरोपी का सुराग मिला। पूरी कहानी बताई।नोएडा-ग्रेनो एक्सप्रेसवे किनारे सेक्टर-82 कट के के बाद पुलिस उसकी शिनाख्त में उलझी रही। इसके बाद सेक्टर-49 मिली। महिला के बच्चों ने बिछुआ से पहचान की, उसके बाद कानून मुताबिक सेक्टर-49 के थाना प्रभारी ने एसीपी-1 प्रवीण सिंह को रात लापता होने की सूचना है लेकिन इसकी शिकायत नहीं मिली है। टीम आया कि प्रीति लापता है जिसके दोनों बच्चे घर पर नहीं थे। आस-प्रीति की नजदीकी मोनू सिंह से है। पुलिस मोनू के घर पहुंची। यहां पर कड़ी जुड़ चुकी थी। बाद में बच्चे सामने आए। प्रीति के बच्चों ने इससे जांच फिर उलझी लेकिन मोनू नहीं मिला इससे संदेह बरकरार खंगाले जिसमें प्रीति के बुधवार शाम के बाद नहीं लौटने की जानकारी

आरोपी ने पुलिस के सामने प्रेमिका की हत्या की पास सिर और हाथ कटा महिला का शव मिलने थाने से मुखबिर की कॉल से जांच को दिशा के हाथ आरोपी तक पहुंचे। पुलिस सूत्रों के में फोन कॉल कर बताया कि एक महिला के महिला के घर पर पहुंची। वहां पर यह सामने पड़ोस के लोगों से पुलिस को पता चला कि पुलिस के पहुंचने के बाद प्रीति-मोनू के रिश्ते की बताया कि उनकी मां बृहस्पतिवार से लापता है। रहा।बरौला गांव के सीसीटीवी फुटेज पुलिस ने मिली। इसके बाद फिर मोनू पकड़ा गया। मोनू ने पहले यह बताया कि वह मैगी खिलाने के लिए सेक्टर 100 के पास लेकर गया था। इसके बाद जानकारी नहीं है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज में उस बस को तलाशा जो मोनू चलाता है। पुलिस को यह बस सेक्टर-100, 104, 98 और जहां पर शव मिला उस सड़क से जाती हुई दिखी।मोनू ने कबूल कर लिया जुर्म इसके बाद अन्य जगहों की सीसीटीवी ट्रेल भी निकली। इस तरह पुलिस को कई जवाब मिल गए थे। पुलिस के मुताबिक इसके बाद पूछताछ में मोनू टूट गया और उसने जुर्म कबूल कर लिया।

संक्षिप्त समाचार

युवती समेत दो ने फंदे से लटक कर दी जान, मचा कोहराम

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती दो अलग-अलग गांवों में किशोरी व युवक का शव फांसी के फंदे से लटका पाया गया। लोगों की ओर से घटना की सूचना पुलिस को दी गई। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने

पंचनामा कर शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मल्हीपुर थाना क्षेत्र के पटना गांव निवासी मुस्तफा (19) पुत्र हरीश अली की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। उसका शव आम के बाग में पेड़ के सहारे फांसी के फंदे से लटका पाया गया। शव देखते ही परिजनों में कोहराम मच गया। घटना की सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं दूसरी ओर गिलौला थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत अख्तर नगर निवासी जनक दुलारी (17) पुत्री खैराती का शव घर के अंदर फांसी के फंदे से लटका पाया गया। घटना की सूचना पुलिस को दी गई। सूचना पर गिलौला थानाध्यक्ष आशीष कुमार पुलिस व फारेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंचे। फारेंसिक टीम ने मौके से साक्ष्य एकत्र किए। वहीं पुलिस ने पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

यातायात नियमों के प्रति किया जागरूक

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती प्रभारी यातायात मो. शमीम द्वारा जनपद के थाना को. भिनगा क्षेत्रान्तर्गत जनता इण्टर कॉलेज पटना खरगौरा विद्यालय के समस्त छात्र-छात्राओं, शिक्षकों व विद्यालय के अन्य कर्मचारीगण को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करते हुए उन्हें शासन द्वारा चलायी जा रही राह-वीर योजना से जागरूक करते हुए व योजना के अंतर्गत मिलने वाली प्रोत्साहन राशि के बारे में विस्तृत रूप बताया गया। दो पहिया वाहन चलाते समय सदैव हेलमेट पहनने, चार पहिया वाहन चलाते समय सदैव सीट बेल्ट लगाने, तेज गति से वाहन न चलाने एवं मादक पदार्थ का सेवन कर वाहन न चलाने आदि यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया गया तथा यातायात नियमों/ संकेतो के जागरूकता संबंधी पम्पलेट्स वितरित कर उन्हे सदैव यातायात नियमों का पालन करने हेतु शपथ दिलाई गई। इस दौरान विशेष चेकिंग अभियान चलाकर प्रभारी यातायात द्वारा जनपद के विभिन्न मार्गो पर बिना नम्बर प्लेट वाले ट्रक, डम्पर आदि के विरुद्ध विधिक कार्यवाही की गयी तथा जनपद के विभिन्न चौराहो, तिराहों व स्थानीय बाजारों आदि मे आमजन को एकत्र कर यातायात के संबंध में जागरूक किया गया तथा यातायात नियमों का उल्लंघन करने गलों के विरुद्ध यातायात के विभिन्न मापदंडों में चालान की कार्यवाही की गयी।

पुलिस अधीक्षक ने आरक्षी को उनके पदीय कर्तव्यों के प्रति घोर लापर वाही, व अनुशासनही नता हेतु किया निलंबित

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती। आरक्षी नागरिक पुलिस सर्वेश चौरसिया तत्कालीन नियुक्ति थाना सिरसिया जनपद श्रावस्ती को अपने कर्तव्य के प्रति घोर लापरवाही, स्वेच्छाचारिता, अनुशासनहीनता का गंभीर आरोप संज्ञान में आया है। उक्त आचरण को पुलिस की छवि धूमिल करने वाला मानते हुए पुलिस अधीक्षक द्वारा उपरोक्त आरक्षी को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। साथ ही, उनके विरुद्ध नियमों के अनुरूप विभागीय जांच संचालित कराए जाने का आदेश भी दिया गया है, ताकि तथ्यों की पूर्णत: निष्पक्ष जांच सुनिश्चित की जा सके।

आपत्तिजनक पोस्ट करने वाला अभियुक्त गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती। पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी द्वारा जनपद में अपराध एवं अपराधियों व मिशन शक्ति व एण्टी रोमियों के अन्तर्गत चलाये जा रहे अभियान के संबंध में दिए गए आदेश व निर्देश के क्रम में प्रभारी निरीक्षक महिमानाथ उपाध्याय थाना हरदत्तनगर गिरण्ट के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मुकदमा अभियुक्त मोहम्मद इमाम पुत्र तौफीक अली निवासी बेगमपुर दा0 रानीसीर थाना हरदत्तनगर गिरन्ट को शांति व्यवस्था बनाये रखने के दृष्टिगत अंतर्गत गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही की गई।

07 नवंबर 2025 को अभियुक्त इमाम अली पुत्र स्व0 तौफीक निवासी बेगमपुर दा0 रानीसीर थाना हरदत्त नगर गिरण्ट जनपद श्रावस्ती द्वारा अपने आईडी से हिन्दू देवी देवताओं के फोटो पर आपत्तिजनक पोस्ट रील बनाकर पोस्ट किये जाने व शांति व्यवस्था भंग होने के सम्बन्ध में गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही की जा रही है।

दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच
www.knlslive.com

Get to know your partner's true colors before the first date; these 5 questions will help.

We often discover our partner's true colors only after we're already quite a bit into the relationship, but the good news is that you don't have to wait that long. Even before the first date, you can ask a few smart questions to gauge their thinking. A little preparation is essential before going on a first date. Asking a few questions can help you read your partner's mind and gauge each other's understanding. When we start dating, we often have many questions and a bit of anxiety. We want to know what our new partner is like, whether they're right for us, and whether this relationship can progress... But often, we don't know the real truth until the first meeting. Fortunately, you can understand your future partner's thinking and personality even before the first date with a few smart questions. These questions can provide valuable insight into their habits, values, and life goals. Here are five questions that will help you uncover the truth. How do you handle stress? This question is crucial because it reveals how your partner reacts during difficult times. Do they remain calm and find solutions to problems, or do they get angry quickly? Their answer will help you understand their reaction when there are ups and downs in the relationship. What does 'success' mean to you? - Success means something different to every person. For some, success means earning a lot of money, while for others, it means living happily with their family. This question will help you understand your partner's priorities. Do they focus solely on their career, or do they also value relationships and personal life? If your and their definitions of success align, your relationship will be more harmonious. How do you like to spend your free time? - This question provides a glimpse into their hobbies and social life. If your partner prefers books and peace, while you prefer parties and traveling, it may be a little difficult to adjust. Their leisure time preferences will reveal their energy and interest levels. What matters most to you? – This question reveals their core values. Do they prioritize things like honesty, family, or friendship? Their answer will reveal whether their life principles align with yours. Sharing values ??is crucial for a strong and lasting relationship. Where do you see yourselves in the next five years? – Knowing your future plans is crucial. Maybe you want to stay in the city, while your partner is planning to move out of the country in two years. This question will clarify their long-term goals. If you both envision a similar future, your relationship is more likely to succeed. Conversation is the ultimate weapon – Remember, these questions are only for gathering information. By starting a conversation about these things before the first date, you can save time and find out if this person is right for you. Always keep the conversation open, honest, and comfortable, because good communication is the foundation of a strong relationship.

These healthy foods are secretly harming your health. Are you making these dietary mistakes?

These days, people incorporate a variety of foods into their diets to stay healthy, but not every healthy-looking food is actually beneficial. Options like flavored yogurt, packaged fruit juice, diet soda, or energy bars may appear healthy, but they can be high in sugar, preservatives, and artificial ingredients. Therefore, it's important to consume them judiciously and in moderation. Flavored yogurt is high in sugar; energy bars increase calories; and diet soda slows down metabolism. Many of us try to stay healthy by including certain foods in our diets, which are generally considered beneficial. But did you know that sometimes, things that appear healthy can actually harm our bodies? Driven by marketing trends, low-fat tags, and organic labels, we often unthinkingly consume foods whose hidden ingredients gradually harm the body. So, let's learn about these seemingly healthy foods, which, if not consumed in the right quantities, can be detrimental to health. Flavored yogurt - Plain yogurt is beneficial, but flavored yogurt contains high amounts of sugar and artificial flavors. This can cause weight gain and increase blood sugar. Energy bars - Energy bars are considered a healthy snack, but they contain high fructose corn syrup, sugar, and preservatives, which add unnecessary calories to the body. Diet soda - Drinking diet soda, thinking it's sugar-free, can be harmful. The artificial sweeteners present in them can slow down metabolism and increase appetite. Packaged fruit juices - These natural-looking juices are often devoid of fiber and contain high amounts of hidden sugar, increasing the risk of diabetes and obesity. Granola - Homemade granola can be beneficial, but commercially available granola can contain excessive sugar, oil, and calories, which can be detrimental to health. Soy products - Soy-based foods like tofu and soy milk are fine in limited quantities, but excessive consumption can lead to hormonal imbalances and thyroid problems. Sports and energy drinks - These drinks are intended for athletes, not for the average person. The sugar and caffeine they contain can cause dehydration and weight gain. Low-fat products - Low-fat foods often contain sugar and additives to enhance their taste, making them unhealthy. When choosing healthy foods, it's important to pay attention to labels, ingredients, and quantities. Only with the right information can we truly improve our health.

Could Alzheimer's risk be detected 10 years before symptoms appear? Scientists have developed a new model.

Have you ever wondered what it would be like if we could know the risk of a major disease before its symptoms appear? Yes, this is now becoming possible in the world of medical science, especially in the case of Alzheimer's disease. Let's learn more about it. Alzheimer's risk will be identified 10 years in advance. The study was based on data from 5,858 participants. This will help doctors initiate timely treatment. Serious diseases like Alzheimer's often go undetected until symptoms appear—such as forgetfulness, reduced thinking ability, or difficulty with everyday tasks. However, scientists have now developed a predictive model that can predict the risk approximately 10 years before these problems begin. This discovery is significant because it can help slow the progression of the disease by taking timely precautions. What is this new tool? Researchers at the Mayo Clinic in the US have developed an advanced tool designed as a predictive model. This tool combines several key factors to estimate a person's likelihood of developing mild cognitive impairment or dementia in the future. The model primarily includes the following factors: age and gender genetic risk factors, such as the APOE e4 variant levels of amyloid proteins in the brain, considered a primary marker of Alzheimer's information obtained from PET scans All these indicators are combined to create a risk level that indicates a person's likelihood of cognitive decline over 10 years or their entire lifetime. The study, based on data from 5,858 people, has been published in The Lancet Neurology journal. Researchers analyzed longitudinally collected data from 5,858 participants. These data were taken from the Mayo Clinic Study of Aging project in Minnesota, USA, which has been researching the relationship between brain health and aging for decades. People with the APOE e4 gene, whether men or women, were found to have a higher lifetime risk of Alzheimer's. Women may be more susceptible than men to Alzheimer's or mild cognitive impairment throughout life. The higher the amyloid levels detected on a PET scan, the greater the risk of dementia or memory problems in the future. How does it help? PET scans can detect amyloid protein deposits in the brain. This is the same protein that reflects early changes associated with Alzheimer's. The new tool combines this information with other factors to create a clear risk profile. It can predict: whether a person will develop mild cognitive impairment in the next 10 years or the likelihood of developing dementia in their lifetime. This tool helps both doctors and patients understand when to initiate interventions—such as medications, regular mental exercises, physical activity, or lifestyle changes. A major step forward for doctors—according to the research team, this model could prove crucial in improving personalized care in the future. Just as cholesterol levels help predict heart attack risk, this tool will also help assess an individual's brain health. Although this is currently a research-based tool, experts believe it could revolutionize early detection of Alzheimer's. While there is no complete cure for Alzheimer's disease, early detection of risk factors can significantly slow its progression. This new tool, developed by the Mayo Clinic, could make brain health monitoring more accurate and personalized in the future, helping people take timely action.

Bollywood's doors were about to close, Ritesh Deshmukh became a savior and saved his friend's career.

When someone's career in Bollywood plummets, doors often close. Something similar happened to a director when his film flopped so badly that he couldn't find work for three years. However, Ritesh Deshmukh, as a true found work for three years. After one Ritesh Deshmukh held his hand and times come, your own people turn their times, but Bollywood proves it true has the time, has the people. After a often fades into obscurity. Writer and the film Ek Deewane Ki Deewaniyat, him, and his talent was questioned. success. Ek Deewane Ki Deewaniyat doesn't work, finding new work Masti 4, director Milap Zaveri revealed which actor Ritesh Deshmukh got him Ek Deewane Ki Deewaniyat. Recalling period, with limited work. I still kept the you'll find opportunities sooner or later. if you don't achieve success. No one has me diminished after Satyamev Jayate of Ek Deewane Ki Deewaniyat. Milap directing it. The aim is to replicate the didn't promote Ek Deewane Ki Ek Deewane Ki Deewaniyat was a story

friend, helped him find work. This director hadn't flop, Bollywood's doors seemed to be closing. steered his career forward. "Often when bad backs on you..." You've heard this saying many many times. It's a harsh truth of cinema: whoever series of flops, everyone from stars to directors director Milap Zaveri, excited by the success of recalls a time when people were losing faith in However, he responded with patience and turned his fortunes around. If previous work becomes difficult. At the song launch of the film that he was without work for three years, after Masti 4. He found success after this year's release, those three years, Milap says, "It was a difficult faith. If you have talent, dedication, and patience, Filmmaking is, after all, a business. It's difficult any personal issues with you. People's faith in 2." The answer could only be found in the success had handled the dual responsibility of writing and success of Ek Deewane. Even though Milap Deewaniyat, he is promoting Masti 4. He says that of love and hate, so we didn't want the film's actors, Sonam (Bajwa) and Harshvardhan (Rane), to be seen smiling all the time. There's no such suspense in Masti 4. The aim is to replicate the success of Deewaniyat. I wrote the first Masti, and this one is also on the same track. Adult comedy genre films have to be shot with style, so they appear entertaining rather than vulgar. Masti 4 was shot abroad.

"In the women's debate..." Shefali Shah keeps herself away from these issues in real life

Shefali Shah returns as DIG Vartika Chaturvedi in Delhi Crime Season 3, this time solving a human trafficking case. Actress Shefali Shah, who fights to save girls in the series, reveals the issues she prefers to avoid in real life. Shefali from these issues. She described the as Madam Sir in the third season of the and her perspective. The responsibility of the Chaturvedi, who maintains her strong in any debates that discuss gender inequality. power, I mean talent," she says. "But that's we have to prove that women are more debate about women; tomorrow, there will our own paths together?" Shefali was Shefali's character is called Madam Sir," she was a hoarding for a serial called Madam Sir iconic characters who can inspire new goosebumps. There's pressure to play this the other actors and got a good response." thing about this role for me was that there my face, and I was comfortable with my skin wear makeup. I was very comfortable, just every role. Applying makeup according to a normal woman. My preparation is more again. And when the camera starts rolling, I

Shah returns with Delhi Crime 3. Shefali, who protects girls, stays away atmosphere on the set of Delhi Crime 3. Actress Shefali Shah has returned Netflix web series Delhi Crime. She shared her connection to the character show Delhi Crime rests on Shefali's shoulders. She plays DIG Vartika position among men. However, in real life, Shefali prefers not to get involved Shefali says that the cast of Delhi Crime 3 is full of powerful actresses. "By on screen; in the real world, I have no interest in being the best. Why do courageous than men? I believe in living and letting live. Today, there's a be discussions about why men are being held back. Why don't we walk delighted to see a hoarding for another show on the highway. "In the show, recounts. "When the first season aired, I was traveling somewhere. There on the highway. I loved seeing it. I told my sister that there are very few shows." She further said, "When I go on the set of this show, I get role. I don't even look at my own work because then I see flaws. I asked Shefali Shah, who avoided makeup in the series, further says that the best was no pressure to look beautiful. The camera was coming very close to and dark circles under my eyes. Vartika doesn't have the energy or time to shower and come to the set, and that's it. However, this isn't possible with the role is essential for actors. In real life, I don't wear much makeup. I'm about the script than my look, which I read and understand again and forget everything and become the character. I live between action and cut. Even though I'm not prepared, I'm always ready for the script. I come to the set with her, but whatever I do in front of the camera happens at that very moment, at that very moment.

An angry Mridul Tiwari spewed venom outside the house, calling Farhana "toxic" and Amaal Mallik "two-faced."

Mridul Tiwari's mid-week eviction from Bigg Boss 19 shocked fans. Upon his exit, Mridul revealed many secrets from the house. He called Farhana the most toxic contestant, whose game plan is to fight and gain about Amaal and questioned mid-week eviction shocked sparked widespread anger, but also from the public. show and revealed many spoke about the show. Was Malik good? - Mridul contestant in the house. lot of problems because her by fighting inside the house. hypocrite. Farhana used this, Mridul said, "I don't quite toxic. She only knows start with a fight and end something wrong on my I've already shown most of that. Farhana has made it a strategy? - Shedding light on there's a fight, then

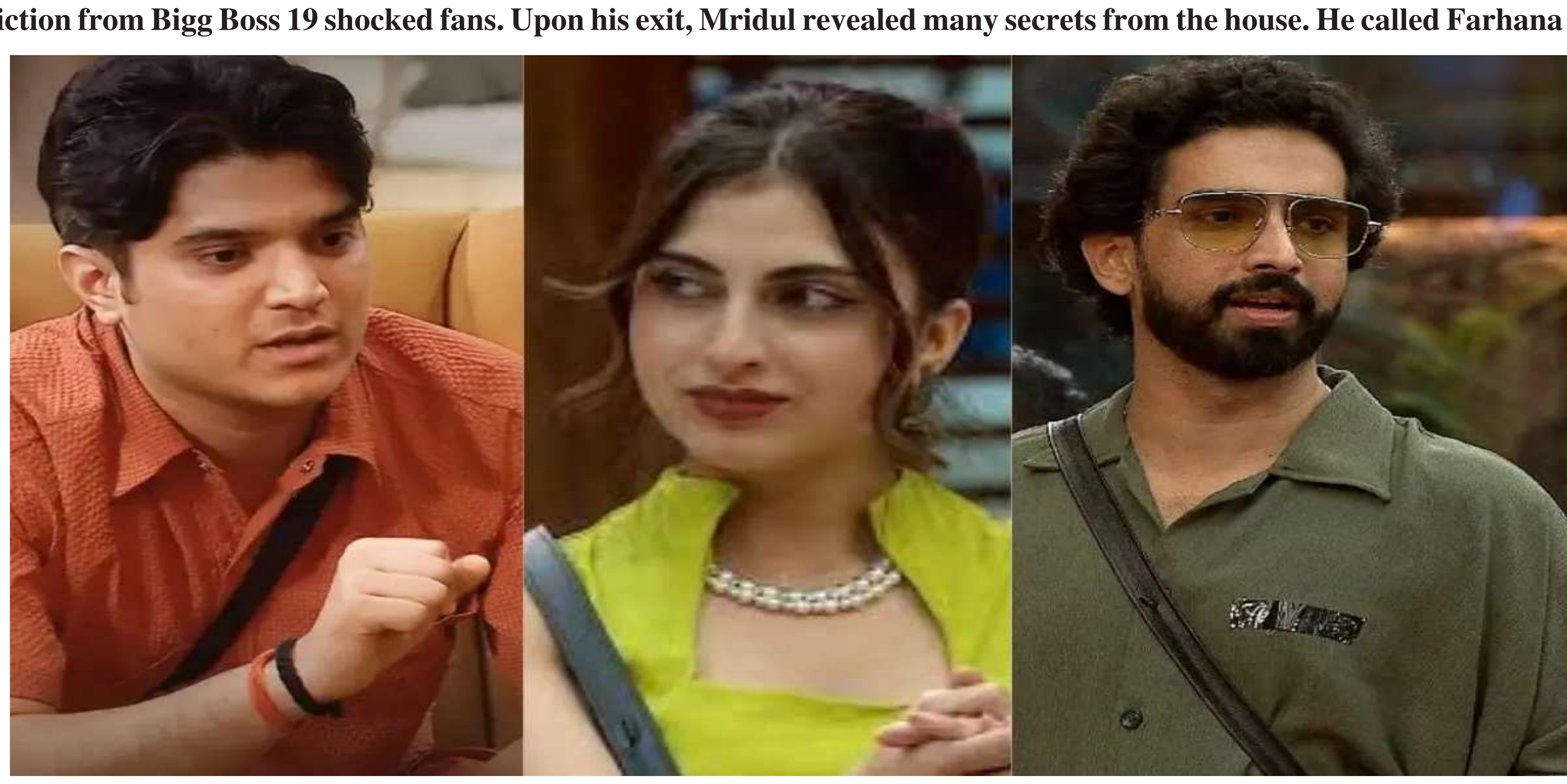

attention. He also spoke harshly their friendship. Mridul Tiwari's Bigg Boss 19 fans. The eviction has not only from Mridul's displeasure, Now, Mridul has emerged from the secrets from the house. He also Mridul's friendship with Amaal revealed who is the most toxic Mridul said that Farhana creates a game plan is to get people's attention Mridul also called Amaal Malik a fighting as a weapon - Speaking on understand Farhana and she seems how to get her work done. She will with a fight. If you think there's part, then there is nothing like that. my strengths and I'm happy with pattern." What is Farhana's Farhana's strategy, Mridul said, "If obviously all the cameras will be on you, you'll get attention. She doesn't do anything pure, so I find her toxic." He explained that on the very first day, when tasks were assigned, he and Amaal were assigned to work together, which naturally led to a good friendship between them. He further added that working together forged a strong bond between them. However, Mridul explained that their friendship was one-sided. "Amaal was my brother, so I never nominated him. I told him that if he called me brother, I would remain so. But when Amaal got the chance, he immediately nominated me." Mridul was saying all this while remembering the Pani Puri task. Angered by this, Mridul called Amaal a hypocrite.